दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-253
मुरादाबाद
03 January 2025
(Friday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश'के लिए आगे आए सेवानिवृत्त अधिकारी और शिक्षाविद, सीएम योगी ने सौंपी जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक भी टीबी रोगी छूटने न पाये, यह सबका साझा दायित्व है। अभियान के तहत सीएम योगी ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और कुलपतिगणों को शपथ दिलाई। कहा कि टीबी रोगियों को उपचार के लिए हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब एक अभिनव पहल की है। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त हो चुके आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपतिगणों और शिक्षाविदों व अन्य वरिष्ठ नागरिकों को निक्षय मित्र की बड़ी जिम्मेदारी दी है। निक्षय मित्र के रूप में यह वरिष्ठ नागरिक टीबी उन्मूलन के प्रयासों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी के साथ बैठक की और टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया।विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पूर्व कुलपतिगणों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ भारत से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है और जब भारत समर्थ होगा तभी शक्तिशाली होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे मिशन मोड में लेते हुए प्रधानमंत्री जी ने भारत के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य रखा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक टीबी रोगी भारत मे हैं और भारत को टीबी मुक्त करने के लिए सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में टीबी उन्मूलन अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने टीबी उन्मूलन की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में टीबी रोगियों की जांच पहले के मुकाबले चार गुना हो गयी है। नैट एवं एक्सरे मशीनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में टीबी उपचार की सफलता दर पिछले चार वर्षों में 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गयी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि निक्षय पोषण योजनान्तर्गत डीबीटी के माध्यम से लगभग 27 लाख टीबी रोगियों के खाते में 775 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान हो चुका है। इसी तरह, फेफड़े के टीबी रोगियों के साथ रहने वालों को टीबी रोग न हो, उन्हें टीबी से बचाव का उपचार दिया जा रहा है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में जनभागीदारी के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक 45 हजार से अधिक नि:क्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लिया गया है और प्रदेश की 1372 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है।मुख्यमंत्री ने सभी से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी ने लंबे समय तक समाज के बीच कार्य किया है। सभी सुदीर्घ अनुभव रखते हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी इस राष्ट्रीय मिशन में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबका साझा दायित्व है कि कोई भी टीबी का रोगी छूटने न पाये और जिनको भी टीबी से ग्रसित पाया जाये, उनको तत्काल सही और निरंतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाये। उनको अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया जाए और कोई न कोई नि:क्षय मित्र उनसे जुड़कर उनका सहारा बने। इसके साथ ही उनके परिवार के शेष सदस्यों की भी जांच कराकर उचित चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी रोगी समाज का अंग हैं, समाज में उनको सम्मान प्रदान कराया जाना, हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। निक्षय मित्र के रूप में सभी सेवानिवृत्त आईएएस/आईपीएस और पूर्व कुलपतिगण टीबी मरीजों को गोद लें, उन्हें उपचार के बारे में जानकारी दें और समुचित सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी के लापता रोगियों को खोजना, टीबी की मृत्यु दर को कम करना एवं स्वस्थ व्यक्तियों को टीबी के संक्रमण से बचाना है। प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए प्रदेश सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है और प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी अतिआवश्यक है। बैठक में उपस्थित सभी सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों और कुलपतिगणों ने मुख्यमंत्री के आह्वान के लिए आभार जताया और सहयोग के लिए शपथ भी लिया।

संक्षिप्त समाचार

लालू पर बरसे महाराष्ट्र के CM फडणवीस, नीतीश की पलटी पर कहा- मुंगेरी लाल के हसीन सपने ही...

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली अभूतपूर्व सफलता से उत्साहित भाजपा नेता विपक्षी दलों के गठबंधन- INDIA और कद्दावर नेताओं पर टिप्पणी कर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लालू प्रसाद यादव पर टिप्पणी की है।बिहार में सियासी सुगबुगाहट के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लालू यादव पर कटाक्ष किया है। उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पाला बदलने की अटकलों को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा, ऐसी बातों में कोई दम नहीं है, ये मुंगेरी लाल के हसीन सपने ही रहेंगे। फडणवीस ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तमाम घटक दल एकजुट हैं। एनडीए के बीच बिखराव की ताक में लगे विपक्षी दलों के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।लालू के किस बयान पर बोले फडणवीस-गौरतलब है कि लालू प्रसाद यादव ने बीते दिनों एक सवाल के जवाब में कहा था कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए विपक्षी गठबंधन- INDIA के दरवाजे हमेशा खुले हैं। फडणवीस लालू के इसी बयान पर पलटवार कर रहे थे। नीतीश कुमार पर क्यों टिकी हैं नजरें-यह भी दिलचस्प है कि बिहार में नीतीश कुमार पाला बदलने के कारण अक्सर आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। बार फिर भाजपा के साथ सरकार बनाने का फैसला लिया।

यूपी के पर्यटन मंत्री का पलटवार, बोले– अखिलेश कुंभ में डुबकी लगाएं, पापों से मुक्ति पाएं

यूपी सरकार के मंत्री ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों की जानकारी दी और कहा कि यह कुंभ आध्यात्मिक के साथ ही डिजिटल व्यवस्थाओं के लिए भी जाना जाएगा। यूपी के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर सवाल उठाने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को कुंभ में आना चाहिए और डुबकी लगाकर पापों से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने महाकुंभ में आतंकी हमले की धमकी पर कहा कि कुंभ में ऐसी सुरक्षा व्यवस्था होगी कि परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा फिर भी सभी जानते हैं कि योगी सरकार ऐसे गड़बड़ी करने वालों का क्या हाल करती है।पर्यटन मंत्री बृहस्पतिवार को कुंभ की तैयारियों को लेकर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को ऐसी सुविधा दी जाएगी कि वो हमारे एंबेसडर बनकर जाएंगे। वहीं, एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन औवैसी के बयान पर कहा कि यूपी में सभी धर्म को लोगों को अपनी सुविधा अनुसार पूजा करने की आजादी है।प्रयागराज में होगी कैबिनेट बैठक- उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान यूपी की कैबिनेट बैठक भी प्रयागराज में होगी और पूरी कैबिनेट कुंभ स्नान करेगी। इसकी जानकारी दे दी जाएगी। लीकॉप्टर से ले सकेंगे एरियल व्यू- महाकुंभ के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटक कुंभ क्षेत्र का एरियल व्यू ले सकेंगे। तीन हजार रुपये में आठ मिनट का भ्रमण कराया जाएगा। यह कुंभ आध्यात्मिक के साथ ही डिजिटल व्यवस्थाओं के लिए भी जाना जाएगा। कुंभ के बारे में कोई भी जानकारी एआई चैटबोट और क्यूआर कोड से मिल जाएगी।

यूपी सरकार के मंत्री ने लगाया षड्यंत्रों का आरोप, अनुप्रिया बोलीं – डरेंगे नहीं.. सवाल उठाते रहेंगे

अपना दल एस की लखनऊ में आयोजित हुई बैठक को यूपी सरकार के मंत्री व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने अपने विरोधियों पर जमकर निशाने साधे।राजधानी लखनऊ में अपना दल एस के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि में 29 नवंबर को अस्पताल में भर्ती हुआ था, मेरी चार सर्जरी हुई हैं। अब हमें पार्टी के काम में जुट जाना है। हम महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि पर कार्यक्रम करेंगे। पिछले कुछ दिनों से मैं ज्यादा खबरों में हूं। पूरी ताकत लगाई जाती के ना दिखूं लेकिन मेरा सकारात्मक हिस्सा छुपाया जाता है, नकारात्मक दिखाया जाता है। अब लड़ना है या डरना है, मैं सरदार पटेल का बेटा हूं, लडूंगा अब डरूंगा नहीं।उन्होंने कहा कि मैं षड्यंत्रों से डरने वाला नहीं हूं। सीबीआई से जांच करवाएं। डरते क्यों हैं? अखबार में 17 सौ करोड़ का दुरुपयोग करके सूचना विभाग का दुरुपयोग करके मान मर्दन ना करें। ईंट का जवाब पत्थर से दूंगा, थप्पड़ खाकर चुप नहीं बैठूंगा। चौदह में से सात वंचित वर्ग के डायरेक्टर बनाया ये मेरी गलती है। पिछड़ों को मौका दिया है। ये मेरी गलती है और मैं ये करता रहूंगा। डरूंगा नहीं, डरा दीजिए जितना डराएंगे आप। आपके पास तंत्र है तो मेरे पास जनतंत्र है।मेरी और मेरी पत्नी संपत्ति की जांच करा लें। एक धरना मास्टर है जिसे प्रायोजित किया जाता है और धरने पर बैठा दिया जाता है। एसटीएफ के किस अधिकारी ने दो लोगों को धरने पर बैठाने के लिए भेजा है पता कर लें। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। स्पेशल टास्क फोर्स वाले पैर पर गोली मारते हैं, हिम्मत है तो सीने पर गोली मारो।डराकर बंद नहीं कर सकते 69000 शिक्षक भर्ती का मुद्दा आशीष पटेल ने कहा कि 69 हजार की भर्ती का विषय डरा कर नहीं बंद करा सकते। सबको पता है कि खेल कहां से हो रहा है। हमने बहुत दिन मंत्री पद ले लिया। धरना मास्टर के मोबाइल का कॉल रिकॉर्ड खुलवा लें। कहां से ऑपरेट हो रहीं सब सामने आ जाएगा। धरना मास्टर 69 हजार वाले मामले पर बैठेंगी? औकात नहीं है मार डंडा और थप्पड़ ठीक कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मेरी सुरक्षा आप कार्यकर्ता करें। मैं आपके भरोसे हूं। 69 हजार भर्ती का विषय हम नहीं छोड़ेंगे। 2012 का चुनाव याद करिए, इतने बड़े आदमी से लड़ लिए तो आज क्या डर। मेरी तो मरी हुई कार्बाइन वाली सुरक्षा है। आपके पास 17 सौ करोड़ रुपया है ना। मैं तो भिखारी आदमी हूं। आप मर्यादा लांघेंगे तो मैं भी मर्यादा भूल जाऊंगा। जो चैनल आपने इस्तेमाल किया वो चैनल गलत है, जाइए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व को स्वीकार करिए, आपका इतिहास सबको पता है, जहां खाया वहीं छेद कर दिया। हमारी नेता की संपत्ति ले गईं, वो चुप हैं, छोटी बहन ने मुकदमा किया और आज तक केंद्रीय मंत्री की शिकायत पर कोई जांच नहीं हुई तो फिर क्यों धरना नहीं देंगी। जिस विधानसभा में सिर्फ विधायक जा सकता है वहां एसटीएफ किसे भेजते हैं। यूपी का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति धरने से उठाने भी जाता है तो और कैसे दिखाएं कि ये सब प्रायोजित है । जितनी चाभी भरी राम ने उतना चला खिलौना। आशीष पटेल ने कहा प्रधानमंत्री सिर्फ भाषण नहीं देते, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय में, नीट की परीक्षा में, ओबीसी आयोग को दर्जा देने में उन्होंने हमेशा काम किया है। हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। खिलौनों से डरेंगे नहीं, लड़ेंगे और थप्पड़ का जवाब थप्पड़ से देंगे।केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बोलीं- किसी भी नेता-कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा पर आंच आई तो नहीं छोड़ेंगे-केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा क आपके नेता ने आपके बीच कुछ बातें साझा की, उनके मन में कुछ पीड़ा थी इसलिए उन्होंने इस बात को कहा। अपना दल के किसी भी कार्यकर्ता या नेता की प्रतिष्ठा पर आंच आएगी तो हम कतई समझौता नहीं करने वाले हमें जवाब देना आता है। अपना दल के खिलाफ जो षडयंत्र चल रहे हैं वो कहां, किसके इशारे पर चल रहे हैं हमारा एक एक कार्यकर्ता जानता है।

'बांग्लादेशी आतंकियों को प्रवेश देकर बंगाल को अस्थिर करने की साजिश', ममता का बीएसएफ पर बड़ा आरोप

ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो रही है। बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ विभिन्न क्षेत्रों से बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक तरीके से बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र की प्रतिक्रिया अधूरी थी।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (BSF) पर बड़ा आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो रही है। बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ विभिन्न क्षेत्रों से बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है। बांग्लादेशी आतंकी बंगाल में आ रहे हैं। यह केंद्र की नापाक योजना है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक तरीके से बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र की प्रतिक्रिया अधूरी थी। राज्य के भाजपा नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के बारे में जवाब देने के लिए कहना चाहिए।बनर्जी ने कहा कि राज्य के भाजपा नेता जो हर मामले में तृणमूल कांग्रेस सरकार की गलती ढूंढते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं, वे बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य समुदायों पर जारी अत्याचारों के बारे में केंद्र सरकार की अधूरी प्रतिक्रिया के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। टीएमसी और राज्य सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र के फैसले और प्रतिक्रिया का पालन करेगी।सांसद बनर्जी ने कहा कि अगर बंगाल के भाजपा नेता पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में इतने सचेत हैं, तो वे दिल्ली में अपनी सरकार पर उचित जवाब देने के लिए क्यों नहीं दबाव डाल रहे हैं? उन्होंने लोगों से राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा उन लोगों पर ध्यान नहीं देने का आह्वान किया जो बांग्लादेश का हवाला देकर हिंसा में लिप्त होने और कानून-व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी पार्षद की गोली मारकर हत्या, ममता बनर्जी ने जताया दुख-पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गुरुवार सुबह तृणमूल कांग्रेस के पार्षद दुलाल सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि टीएमसी पार्षद सरकार को झलझलिया मोड़ इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारी। हमले के बाद उनको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मामले की जांच की जा रही है। पार्षद की हत्या पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख जताया। सीएम ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मेरे करीबी सहयोगी और बेहद लोकप्रिय नेता बबला सरकार की हत्या कर दी गई। तृणमूल कांग्रेस की शुरुआत से ही उन्होंने और उनकी पत्नी चैताली सरकार ने पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की और बबला पार्षद भी चुने गए। घटना के बारे में जानकर मैं दुखी और स्तब्ध हूं। दोषियों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। मैं इतनी दुखी हूं कि मुझे नहीं पता कि मैं शोकाकुल परिवार को अपनी संवेदना कैसे व्यक्त करूं। भगवान चैताली को लड़ाई लड़ने की शक्ति दे।

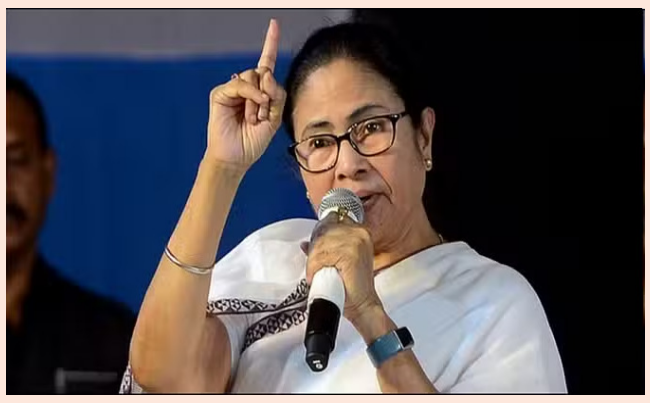

संपादकीय Editorial

Moral responsibility of former Chief Ministers

The last year, spent in economic regret, was marked by the struggle of the Sukhu government. If the courts are not able to do justice by law on dates after dates, then the governments have weakened the financial system of Himachal by taking loans after loans. In such a situation, the political distances will have to be reduced at least to the issues of Himachal's economic condition. It is surprising that speaking on economic reforms has now become passing through the barrel of the opposition's gun. Even today, the subject of debate is to limit power to politics only in the state of nitpicking. The government cannot be responsible for promoting Himachal's tax structure, as long as the opposition keeps mocking every bitter pill in the bitterness of such issues. Their debt cannot be separated from their borrowings, but between the government and the opposition, Himachal's financial system is in a delicate situation. In such a situation, not only Sukhvinder Sukhu is riding the boat of government's responsibility, but such a debate is also involved which wants to make every step of economic reform orphan. Of course, the moral pressure of Congress's ten guarantees is putting pressure on the content of the entire politics and considering this as a sore spot, BJP is also maligning the debate of bitter decisions by suppressing it. For example, the land of the budget which has been snatched by the current formula of electricity rates, has every mark of financial famine stuck there. Neither BJP did any good by teaching the public to enjoy free electricity nor did the guarantee of Congress increase the existence of the state in this regard. It is the effect of election promises from both sides that the existence of the state is covered with mud due to the loan of 75 thousand crores. Now if the state runs its financial system by considering water supply and electricity supply as the first condition of non-profit social welfare, then tomorrow more terrible accidents are certain on the path of poverty. The increasing deficit for criticism is a proof of how poor our political thinking is and this is such a list of revenue deficits that has made Himachal a termite's home for the last few decades. In such a situation, instead of raising political fronts on difficult decisions, the doors of consensus will have to be opened. Amidst the economic problems of Himachal, apart from Sukhvinder Sukhu, former Chief Ministers like Jairam, Prem Kumar Dhumal and Shanta Kumar have a moral responsibility to rise above politics and support those decisions that record the necessity of financial solutions. In this list, the advice to change the outlook of the state is directly related to the employee class. The efforts and meaning of economic self-reliance will be lost in all those streets where there is always a competition between the ruling party and the opposition in the politics of cajoling the employees. The three former Chief Ministers i.e. Jairam Thakur, Prem Kumar Dhumal and Shanta Kumar should tell to what extent the administrative and employee structure of the state with a population of seventy lakh is correct. Tell us how many departments, how many corporations and how many boards should be closed or unnecessary offices should be locked. Should the form of governments be followed in this way under the financial and economic criteria of Himachal or should some policies become an example in terms of financial discipline? On the questions of Himachal's economic existence, beyond the electoral tricks that are turning politics into a gamble, the three former chief ministers should address the current situation of the state, leaving aside political statements. While preparing the budget of Himachal for the present or any future chief minister, the economic void will not only have to be addressed but also filled.

Unpleasant politics over last rites, Congress in the dock

All the former prime ministers whose last rites were not performed or were not performed in Delhi during the Congress rule were Congressmen but later became opponents of the Gandhi-Nehru family. That is why it is believed in political circles that due to their rebellion against the Gandhi-Nehru family, they remained the target of the first family of Congress till the last moment. The fire of the funeral pyre of former Prime Minister Manmohan Singh had not even cooled down when politics was started over his last rites. This political controversy was sparked by the statement of the Leader of Opposition Rahul Gandhi that the Central Government has insulted the country's first Sikh Prime Minister Manmohan Singh by performing his last rites at Nigambodh Ghat. The BJP counter-attacked and accused the Congress of doing politics over this issue. Manmohan Singh's family is silent amidst the political war between the Congress and the BJP. There is a reason for the Congress to accuse Manmohan Singh of not having a dignified last rites. The Congress has the stain of the 1984 anti-Sikh riots on its hands. BJP has been continuously putting Congress in the dock for the anti-Sikh riots. It is not surprising that by raising the issue of alleged lack of dignity in Manmohan Singh's funeral, Congress is trying to wash off the stain of anti-Sikh riots. By raising this issue, it is also trying to make a fresh inroads in the Sikh community in Punjab, in which Aam Aadmi Party has influence at the moment. It should also be noted that assembly elections are going to be held in Delhi. Sikhs account for about four percent of Delhi's total population. It is clear that by accusing Manmohan Singh of not having a dignified funeral, Congress is trying to make inroads among the Sikh voters of Delhi along with Punjab. This effort is natural, but the question is that despite Narasimha Rao and Vishwanath Pratap Singh dying in New Delhi, why did Congress not feel the need to cremate these leaders at some prestigious place in the capital? At that time, there were Congress governments in Delhi and the Centre. If you go through the pages of Narasimha Rao's biography 'Half Lion' written by Vinay Sitapati, you will come to know that the next day after Narasimha Rao's death, an army car decorated with flowers reached the Congress headquarters with his body and stood at the headquarters gate for about half an hour, but the gate did not open. According to Vinay Sitapati, Narasimha Rao's relatives had expressed their desire to perform his last rites in Delhi itself, but the then Congress government and party leadership refused to do so. At that time, Manmohan Singh was the Prime Minister, whom Narasimha Rao had brought into politics in 1991 and entrusted with the important responsibility of Finance Minister. He could not do anything to honor his first political destiny maker. Narasimha Rao was a lifelong Congressman. He was also the President of Congress and was also the Prime Minister. Before Narasimha Rao, Vishwanath Pratap Singh died in Apollo Hospital in Delhi in November 2008. Since his family knew what Congress felt about Vishwanath Pratap Singh, it did not expect his last rites to be performed in Delhi. His last rites were performed in Allahabad (Prayagraj). Perhaps the Congress forgot that before rebelling against the Congress in 1987, Vishwanath Pratap Singh was not only a Congressman, but was also a confidant of Indira Gandhi at one time. This is why he was made the Chief Minister of Uttar Pradesh in 1980. Former Prime Minister Chandrashekhar also died in Delhi. The Congress government not only got his last rites done in Delhi, but his samadhi was also built in Delhi. Interestingly, during the rule of the Janata Party, when the Morarji Desai government was preparing to get Indira Gandhi to vacate the government residence, it was Chandrashekhar who stopped it. Prime Minister Morarji Desai died in Mumbai in 1995, but his last rites were performed in Ahmedabad. His relatives neither demanded his last rites to be performed in Delhi, nor did the then Congress government and leadership consider it necessary. All the former Prime Ministers whose last rites were not performed or were not performed in Delhi during the Congress rule were Congressmen, but later became opponents of the Gandhi-Nehru family. That is why it is believed in political circles that due to his rebellion against the Gandhi-Nehru family, he remained the target of the first family of Congress till the end. This is the reason why after questions were raised on Manmohan Singh's funeral by the Congress, the funerals of Narsimha Rao and Vishwanath Pratap Singh and the political events related to them are also being recalled in retaliation. Congress will have to understand this and avoid raising unpleasant controversies. It cannot ignore the fact that former President Pranab Mukherjee's daughter Sharmistha Mukherjee has said that the Congress Working Committee not sending a formal condolence message after her father's death was also an insult to her. Such incidents create the impression that the Gandhi-Nehru family was indifferent and ill-treated those leaders who did not care for them.

Preparations to start skill development based courses

Skill development based courses should not be taught only in higher education institutions but should also be included in school education because a large number of youth start looking for employment after intermediate. Many of them take admission in higher education institutions only to get some degree. Preparations to start skill based courses in higher education institutions across the country is the need of the hour. The truth is that such courses should have been started by now, because a large number of higher education institutions are engaged in giving such degrees, which are not proving useful in today's time. Due to this, an army of degree holders is being prepared in the country, but they are not equipped with any such skills, which are in demand in the industries. Due to this, representatives of the business world have been complaining that they are not able to find skilled youth according to their requirement. Now when skill based courses are going to be started from the new session on the initiative of the University Grants Commission, it should also be seen whether they will be able to meet the needs of the business world or not? It would be appropriate that skill-based courses should be prepared only after extensive consultation with representatives of the industry and business world. Such courses should also be reviewed continuously and arrangements should be made to change them according to time, because in today's technological era things are changing rapidly. It should be understood that the need for new types of skills is increasing with time. Today, there is a need to equip the youth with such skills that they can easily get jobs in the fields of Artificial Intelligence, Data Analytics, Digital Banking, E-Commerce etc. Skill development courses should be prepared keeping in mind the local need and demand on one hand, and on the other hand also with a view that our youth can easily get employment in other countries. Only with this will higher education institutes and especially degree colleges become centers of skill development. Skill development based courses should not be taught only in higher education institutes, but they should also be included in school education, because a large number of youth start looking for employment after intermediate. Many of them take admission in higher education institutes only so that they can get some degree. It is no secret that their degree often does not help them get employment and thus they are counted among the educated but unemployed youth. It should be understood that the courses in which skill development is not given priority are responsible for the increasing number of such youth. It should also not be ignored that there are many jobs requiring special skills for which there is no formal study. This problem should also be solved.

यति नरसिंहानंद को पुलिस ने पाकबड़ा में रोका, वार्ता के बाद वापस गाजियाबाद भेजा

पाकबड़ा- गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद महाराज को मुरादाबाद पुलिस ने पाकबड़ा में ही रोक लिया। करीब सवा घंटे वार्ता के बाद उन्हें वापस गाजियाबाद भेज दिया गया। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। स्वामी नरसिंहानंद संभल के हरिहर मंदिर मुद्दे पर मुरादाबाद में पत्रकार वार्ता करने वाले थे। गुरुवार को जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद महाराज मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के पार्श्वनाथ प्लाजा स्थित हिन्दू समाज पार्टी के लोगों के पास जा रहे थे। वहीं पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का कार्यक्रम था। पुलिस को सूचना मिलने पर पाकबड़ा थाना प्रभारी विनोद कुमार ने पाकबड़ा में ही उनको रोक लिया और हिरासत में लेकर थाने ले आए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी मौके पर पहुंचे। करीब सवा घंटे तक उनको थाने में बिठाकर रखा। उसके बाद उनको वापस डासना गाजियाबाद भेज दिया गया। महाराज ने बताया कि हम लोग हिंदू समाज पार्टी के लोगों के पास जा रहे थे। पुलिस ने रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया। अब यह वापस भेज रहे हैं। हम फिर से कोशिश करेंगे और जरूर आएंगे। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि यति नरसिंहानंद आज मुरादाबाद आ रहे थे जिसकी परमिशन नहीं ली गई थी। इसके लिए हमने इनको रोक दिया है। अब इनको वापस भेज रहे हैं। जो भी मुद्दों को लेकर यह आ रहे थे उन पर बात की गई है और विचार किया जाएगा। थाना मझोला प्रभारी मोहित चौधरी भी मौजूद रहे। क्या कुंभ मेले में मुसलमान की एंट्री बंद है? इसको लेकर यति नरसिंहानंद महाराज ने कहा कि मुसलमान की एंट्री बंद होने चाहिए। अखाड़ा परिषद ने जो आदेश दिया है मैं उसका समर्थन करता हूं। पेशाब की और थूकने की घटनाएं जो हो रही हैं वह रुकनी चाहिए। प्रयागराज कुंभ स्थल बहुत पवित्र स्थल है जहां उनकी एंट्री बंद होनी चाहिए। सऊदी अरब में कावा खोदने पर भी हमारा ही मंदिर निकलेगा...मोहन भागवत के बयान पर बोले की हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजना ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने कहा, क्यों ठीक नहीं है अगर पूछना है तो उन्हीं से पूछो। हर मस्जिद के नीचे मंदिर ही क्यों निकल रहा है और हमें हमारे मंदिर चाहिए। हर मंदिर हमारा निकलना चाहिए। सऊदी अरब में अगर कावा भी खोदोगे तो उसके नीचे भी हमारा ही मंदिर निकलेगा।

रैन बसेरों में जगह व इंतजाम, फिर भी कड़ाके की ठंड में खुले में सो रहे निराश्रित

नगर निगम की ओर से महानगर में 9 स्थायी व 2 अस्थायी रैन बसेरों का हो रहा संचालन

मुरादाबाद -कड़ाके की ठंड में भी रेलवे स्टेशन के बाहर निराश्रित खुले में सो रहे हैं। हालांकि महानगर में नगर निगम की ओर से 9 स्थायी व 2 अस्थायी रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के बाहर बुधवार को नये साल पर भी रात में निराश्रित फुटपाथ पर कंबल तानकर सोते मिले। हालांकि वहीं आगे रोडवेज के पास संचालित रैन बसेरे में बेड बिस्तर, कंबल होने के बाद भी जानकारी के अभाव में नहीं जा रहे हैं। कड़ाके की ठंड में निराश्रितों व असहायों को आश्रय देने के लिए नगर निगम की ओर से 11 रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें 9 स्थायी और 2 अस्थायी रेलवे स्टेशन व एक रोडवेज के पास है। लेकिन, एक तरफ जहां लोग नये साल के स्वागत के जश्न में डूबे थे वहीं बुधवार की रात रेलवे स्टेशन परिसर के बाहरी हिस्से और फुटपाथ पर निराश्रित फर्श पर सोए थे। वह एक कंबल में फर्श पर ठंड में ठिठुरते हुए रात बिता रहे थे। जबकि उससे थोड़ा आगे जाने पर रोडवेज बस स्टेशन के पास रैन बसेरे में बिस्तर, कंबल होने के बाद भी लोग नहीं गए। जबकि शासन का निर्देश है कि ठंड की रात में कोई भी निराश्रित खुले में न सोए और रहे। फिर भी लोग जानकारी न होने व अपनी सहूलियत देखते हुए रैन बसेरे में नहीं जा रहे हैं। जबकि रैन बसेरे में गद्दा व बिस्तर, कंबल, रजाई का प्रबंध किया गया है। यहां पर निशुल्क रात बिताने की सुविधा भी है। केवल अपनी पहचान दिखाकर यहां रात बिताने की सुविधा भी है।

कोहरे से हादसा: मेरठ से मुरादाबाद जा रही सोहराबगेट डिपो की बस पलटी, मौके पर मच गई अफरा-तफरी, छह यात्री जखमी

मुरादाबाद -मेरठ से मुरादाबाद जा रही सोहराबगेट डिपो की बस रजबपुर में अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें छह यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यात्रियों को अस्पताल पहुंचाकर बस को क्रेन से

हटवाया और यातायात बहाल किया। मेरठ से मुरादाबाद की तरफ जा रही सोहराबगेट डिपो की बस अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। बस में सवार यात्रियों में चीखपुकार मच गई। हादसे में चार महिलाओं समेत छह यात्री घायल हो गए। हाईवे पर वाहनों के पहिए थमने से जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने यात्रियों को निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में क्रेन की मदद से बस को हटाकर यातायात शुरू कराया गया। सीओ सिटी अरुण कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर सोहराबगेट डिपो की बस मेरठ से मुरादाबाद की तरफ जा रही थी। बस में करीब 15 यात्री सवार थे। जैसे ही बस रजबपुर थानाक्षेत्र में बाइपास के निकट पहुंची, तभी अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया।अनियंत्रित हुई बस हाईवे पर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। पीछे से आ रहे अन्य वाहनों के पहिए थम गए। लंबा जाम लग गया। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस में सवार यात्रियों को बाहर निकाला और जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में गजरौला के शहबाजपुर की रहने वाली शाइस्ता, शबाना, शहनाज, संभल के फतेहपुर गांव के रहने वाली रश्मि, मेरठ में शास्त्री नगर के रहने वाले अभिषेक समेत छह यात्री घायल हो गए। जानकारी मिलते ही घायल यात्रियों के परिजन भी आ गए। डॉक्टरों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। पुलिस ने अन्य सवारियों को दूसरे वाहनों से गंतव्य के लिए भेजा। इस दौरान बस के चालक परिचालक मौके से भाग निकले। पुलिस ने क्रेन मंगाकर बस को सड़क से हटवाया और अपने कब्जे में ले लिया। सीओ ने बताया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। जांच में सामने आया है कि हादसा तेज रफ्तार होने के कारण हुआ है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नए साल में नई उड़ान, देहरादून व गाजियाबाद की फ्लाइट होगी शुरू, कंपनी ने किराया किया तय

मुरादाबाद -नए साल में मुरादाबाद एयरपोर्ट से देहरादून और गाजियाबाद के लिए फ्लाइट सेवा शुरू होगी। लखनऊ की सेवा पहले से चल रही है। फ्लाई बिग कंपनी ने किराया और समय घोषित कर दिया है लेकिन कोहरे के कारण उड़ानें 15 मार्च तक स्थगित हैं। नए साल में शहर को नई उड़ान का तोहफा मिलेगा। इस वर्ष मुरादाबाद एयरपोर्ट से देहरादून व गाजियाबाद की फ्लाइट शुरू होगी। इसकी घोषणा फ्लाई बिग कंपनी कर चुकी है। मुरादाबाद से देहरादून के बीच फ्लाइट का सफल ट्रायल हो गया है। फ्लाई बिग ने फ्लाइट का समय व किराया भी जारी किया लेकिन कोहरे के कारण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।मुरादाबाद से लखनऊ के लिए पहले ही 19 सीटर विमान संचालित हो रहा है। इस साल देहरादून के जॉलीग्रांट हवाई अड्डे व गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे तक विमान सेवा शुरू होगी। कानपुर की फ्लाइट की योजना भी बनाई जा रही है। फ्लाई बिग के पुराने बयान के मुताबिक मुरादाबाद से देहरादून तक जाने के लिए विमान का किराया 1300 रुपये होगा।बेस फेयर 999 रुपये है। इसके अतिरिक्त जीएसटी और अन्य कर रहेंगे। सप्ताह में हर दिन फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। कंपनी ने उड़ान शुरू करने के लिए डीजीसीए से अनुमति मांगी है। दावा के मुताबिक विमान एक घंटा 10 मिनट में 202 किलोमीटर की दूरी तय कर देहरादून के जॉलीग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। वहीं गाजियाबाद की फ्लाइट को पहुंचने में महज 45 से 50 मिनट लगेंगे। फ्लाई बिग के प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि 15 मार्च तक कोहरे के कारण विमानन सेवा रद्द है। इसके बाद पहले की तरह लखनऊ की सेवा शुरू होगी। साथ ही बहुत जल्द देहरादून गाजियाबाद की फ्लाइट की घोषणा भी हो सकती है। मुरादाबाद एयरपोर्ट से एक ही समय पर तीन शहरों के लिए फ्लाइट मिल पाएगी। लखनऊ की फ्लाइट में फुल रहती हैं सीटें-फिलहाल मुरादाबाद से लखनऊ के लिए 19 सीटर विमान उड़ान भरता है। कोहरा शुरू होने से पहले सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार व शनिवार को उड़ान की सेवा दी जा रही थी। 10 अगस्त को उद्घाटन के बाद लगातार सीटें फुल चलीं। कोहरे के कारण निरस्तीकरण के समय भी फ्लाई बिग को यात्रियों के रुपये वापस करने पड़े। रक्षाबंधन से लेकर दशहरा व दीवाली तक खूब बुकिंग रही। सवा घंटे में लखनऊ पहुंचने का आकर्षण फ्लाई बिग के पास यात्रियों की कमी नहीं होने देता। फ्लाई बिग के कार्यकारी निदेशक राजीव कुमार भी कह चुके हैं कि मुरादाबाद-गाजियाबाद व मुरादाबाद-देहरादून के बीच बहुत जल्द फ्लाइट शुरू होगी। मुरादाबाद एयरपोर्ट पर नहीं है कोहरे में लैंडिंग की क्षमता-मुरादाबाद एयरपोर्ट पर कोहरे में विमान की लैंडिंग कराने के लिए दृश्य क्षमता नहीं है। एयरपोर्ट पर पांच हजार मीटर की दृश्यता में विमान उतारने की गाइडलाइन है। जबकि कोहरे के कारण दृश्यता 200 से भी कम रह जाती है। लिहाजा फ्लाइट रद्द करनी पड़ीं। जानकारों का कहना है कि धुंध में विमान उतारने के लिए इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम यानी आईएलएस की जरूरत है। लखनऊ, दिल्ली आदि एयरपोर्ट पर यह लैंडिंग सिस्टम लगा है। मुरादाबाद में छोटा एयरपोर्ट होने के कारण अधिक खर्च की इस जरूरत को टाला जा रहा है। भविष्य में एयरपोर्ट का विस्तार होने पर रनवे पर आईएलएस लगाया जा सकता है। फिलहाल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से सहमति पत्र लिए जा रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक करीब 500 किसान सहमति दे चुके हैं। जल्द ही यहां से विभिन्न शहरों की उड़ान शुरू होगी। इनमें गाजियाबाद व देहरादून पहले नंबर पर है। - राजेश कुमार, एजीएम फ्लाई बिग

संक्षिप्त समाचार

महिला ने पति-जेठ व दो बहनोई पर लगाया भांजी से दुष्कर्म का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

पाकबड़ा पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की जांच

मुरादाबाद -थाना क्षेत्र निवासी महिला ने अपने पति, जेठ और दो बहनोई पर उसकी भांजी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि उसने विरोध किया तो आरोपियों ने जिंदा जलाने की धमकी दी। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना पाकबड़ा के एक मोहल्ले में महिला अपने पति और बच्चों के साथ किराये के मकान में रहती है। उसकी बहन की 15 वर्षीय बेटी भी उसके साथ ही रहती है। पीड़िता के अनुसार 9 अक्तूबर 2024 को सुबह वह अपने बच्चों को लेकर बाजार में सामान खरीदने गई थी। घर में उसकी 15 वर्षीय भांजी और पति मौजूद था। आरोप है कि उसी समय महिला के पति ने डिलारी के पीपली उमरपुर अलियाबाद निवासी जेठ आजम अंसारी, ठाकुरद्वारा के रतूपुरा निवासी बहनोई शाहने आलम और बिजनौर जनपद के चांदपुर निवासी बहनोई सुल्तान को बुला लिया। उनके आने पर 15 वर्षीय भांजी सभी के लिए चाय बना रही थी। महिला का आरोप है कि उसी दौरान आजम अंसारी, शाहने आलम और सुल्तान ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने महिला के पति से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उसने मदद नहीं की। पीड़िता के अनुसार जब वह बाजार से लौटी तो भांजी बदहवास पड़ी थी। पूछने पर उसने रोते हुए आपबीती सुनाई। पीड़िता के अनुसार उसने आरोपियों के खिलाफ शिकायत करने की बात कही तो सभी ने धमकी दी कि यदि कहीं शिकायत की तो जिंदा जला देंगे। बाद में पीड़िता ने मामले की शिकायत पाकबड़ा थाने पर की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद कोर्ट में अर्जी लगा दी। मामले में कोर्ट ने एफआईआर के आदेश दिए। थाना पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, धमकी देने समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने भांजे पर लगाया छेड़छाड़ व मारपीट का आरोप

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में अपनी बीमार बहन को देखने के लिए उसके घर गई महिला ने भांजे पर छेड़छाड़ और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना सिविल लाइंस के रामगंगा विहार चौकी क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी बड़ी बहन चंदन नगर में रहती है। महिला के अनुसार उसकी अनुसार बहन की तबीयत खराब चल रही थी। बीते मंगलवार को वह अपनी बहन का हाल जानने के लिए उसके घर गई थी। आरोप लगाया कि वहां दोपहर लगभग 3-00 बजे उसके भांजे ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर जबरदस्ती करने की कोशिश की। आरोपी पीड़िता को खींच कर दूसरे कमरे में ले जाने लगा। विरोध करने पर हाथ-पैर और आंख पर नोच लिया। वाइपर से उसे पीटने लगा। भांजे ने धमकी दी कि तुमसे जो होता हो कर लो। जिसके बाद पीड़िता ने थाने पर पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी। थाना सिविल लाइंस मनीष सक्सेना ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कर ली गई है।

शॉट सर्किट के चलते स्क्रैप गैस की दुकान में लगी भीषण आग, सिलेंडर फटने से मची अफरातफरी...10 लाख रुपये का नुकसान

मुरादाबाद -बिलारी थाना क्षेत्र रेल चौकी के पास स्क्रैप गैस की दुकान में अचानक शॉट सर्किट के चलते भीषण आग लगी गई। एक सिलेंडर फटने के बाद अफरातफरी मच गई। इस दौरान लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। 10 लाख रुपए की कीमत का दुकान में रखा सामना जलकर खाक हो गया। सूचना पर एसडीएम बिलारी विनय कुमार भी घटनास्थल पर पहुंच गए। दुकान स्वामी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लगभग 10 लाख का नुकसान हुआ है। आग की घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कायाकल्प अवार्ड में CHS फरीदपुर प्रथम नंबर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच -रजनीश श्रीवास्तव

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में कायाकल्प अवार्ड योजना का आयोजन किया गया इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. विश्राम सिंह ने स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

फरीदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अनुराग गौतम ने बताया कि जनपद में कायाकल्प अवार्ड योजना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर को प्रथम स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि प्रथम स्थान में एक लाख रुपये धनराशि प्राप्त हुई इस धनराशि से अस्पताल में मरम्मत पर खर्च की जाती है। सीएमओ ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर को प्रथम स्थान स्टाफ के बौद्ध कौशल रखरखाव तथा मरीजों के प्रति गंभीरता सही इलाज व्यवस्थित व्यवस्था होने की वजह से मिला, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अनुराग गौतम ने बताया कि चिन्हित बेस्ट कर्मचारी एवं अधिकारियों की सूची तैयार की गई जिन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया जा रहा है इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर nquas की श्रेणी में भी शामिल होने के लिए पूरे प्रयास किया जा रहे हैं मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय के निर्देशन में केंद्र फिर प्रथम स्थान प्राप्त करेगा , केंद्र से उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, डॉक्टर रामनारायण, कार्यक्रम प्रबंधक अनुराग शर्मा, आरो विनीत कुमार, रूपाली अग्रवाल ,स्टाफ नर्स साधना ,प्रीती राना, लैब टेक्नीशियन राजेश कुमार पांडे ,फार्मासिस्ट धीरेंद्र कुमार सालिक राम, एएनएम स्नेहा,ममता, संध्या, cho ऋतिक पूजा,तानिया, आशा गुप्ता नीतू तिवारी,आदि रहे कार्यक्रम में जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉक्टर प्रशांत रंजन अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित कुमार जिला कार्यक्रम प्रबंधक जितेंद्र कुमार तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर से चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रजनीकांत डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, कार्यक्रम प्रबंधक अनुराग शर्मा, आशुतोष कुमार, आकाश भटनागर, समस्त स्टाफ नर्स, समस्त एएनएम , समस्त ष्द्धश द्वारा प्रतिभाग किया गया, तथा स्टाफ के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई ।।

भाजपा नेता के युवा बेटे की मौत, ब्रेन हेमरेज हुआ और चली गई जान; परिजनों में मची चीत्कार

मथुरा के भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर के युवा पुत्र की बुधवार को ब्रेन हेमरेज के चलते मौत हो गई। जानकारी पर भाजपा पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंच गए।मथुरा में बीएसए कॉलेज के पीछे अग्रसेन नगर निवासी भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष के पुत्र व युवा अधिवक्ता अमित पराशर उर्फ अंशु (33) की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सुबह पुत्र सीढ़ियों से उतर रहा था, तभी अचानक परेशानी हुई और वहीं बैठ गया। परिजनों को जानकारी हुई तो वह अस्पताल पहुंचे, यहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दोपहर को गमगीन माहौल में मोक्ष धाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।मोक्ष धाम पर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल, ब्रज क्षेत्र महामंत्री नागेंद्र सिकरवार, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, महामंत्री राजू यादव, मदन मोहन श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, पार्षद विजय शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी पहुंच गए।तीन अधिवक्ताओं की मौत होने पर वकील रहे कार्य से विरत-मथुरा। भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष के अधिवक्ता पुत्र की मौत पर बार एसोसिएशन ने शोकावकाश घोषित कर दिया। साथी अधिवक्ताओं ने कन्हैया लाल बोहरे सभागार में शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी। बार अध्यक्ष प्रदीप शर्मा और सचिव शिव कुमार लवानियां ने बताया कि युवा अधिवक्ता अमित पाराशर उर्फ अंशु, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष सिंह सिसोदिया, ब्रजेश शर्मा लोहवन वाले की आकस्मिक मृत्यु पर बुधवार को अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। उन्होंने बताया कि युवा अधिवक्ता अमित चार साल से रामप्रकाश शर्मा रामपुर वालों के यहां प्रैक्टिस कर रहे थे। बार अध्यक्ष और सचिव ने अधिवक्ताओं की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

अब रात का पारा पांच डिग्री गिरा, छूटी कंपकंपी, मौसम विभाग ने दी ये जानकारी

अधिकतम तापमान सामान्य से 4.4 और न्यूनतम 4.8 डिग्री सेल्सियस कम हुआ। मौसम विभाग की मानें तो तापमान गिरेगा और ठंड बढ़ेगी।जेट स्ट्रीम के साथ आ रही समुद्री नमी ठिठुरन बढ़ा रही है। 24 घंटे में रात का तापमान पांच डिग्री सेल्सियस गिर गया, इससे लोगों की कंपकंपी छूटी। अधिकतम तापमान सामान्य औसत से 4.4 डिग्री और न्यूनतम 4.8 डिग्री कम है। सीएसए के मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले पांच दिन कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पश्चिमी विक्षोभ शुक्रवार को पहुंचेगा। इसके बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ से नमी बढ़ेगी और बादलों की आवाजाही तेज होगी। इससे तापमान और गिरेगा।भूमध्य रेखीय हिंद महासागर और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती घेरा बना हुआ है। इसके साथ ही जेट स्ट्रीम हवाएं नीचे की ओर चल रही हैं। चक्रवाती घेरा और जेट स्ट्रीम से माहौल में लगातार नमी आ रही है। इस वजह से बादल बने हुए हैं। इससे गलन वाली ठंड पड़ रही है। उत्तर पश्चिमी हवाएं हिमालयी ठंडक को मैदानी इलाकों में ला रहीं हैं। इनकी निरंतरता बनी रही और गति तेज हुई तो मैदानी इलाकों में शीत लहर तेज हो जाएगी।वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती घेरे के रूप में ईरान और आसपास के क्षेत्रों में 3.1 से 5.8 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। दो-तीन दिन में इसके हिमालयी क्षेत्र पहुंचने की उम्मीद है। पश्चिमी विक्षोभ के आने से तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहेगा, लेकिन ठंड बनी रहेगी। पश्चिमी विक्षोभों के निकल जाने के बाद हिमालयी ठंड उत्तर पश्चिमी हवाओं के साथ तेजी से आएगी। इस दौरान कोहरा बना रहेगा। गुरुवार को सुबह सात बजे दृश्यता सामान्य दो किमी के स्थान पर 220 मीटर रही। तापमान-अधिकतम - 15.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम - 5 डिग्री सेल्सियस

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को उठाने के लिए ठंडा पानी डालना पड़ा भारी, डीआरएम ने एजेंसी पर ठोंका जुर्माना

राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालने के मामले में सफाई एजेंसी पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। घटना का वीडियो एक्स पर वायरल हो गया था।चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ व नौ पर ट्रेन के इंतजार में सो रहे यात्रियों पर सफाईकर्मियों ने पानी डालकर जगाया था। मामले की पड़ताल के बाद गुरुवार को डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने 10000 रुपये का जुर्माना लगाया है साथ ही दोबारा शिकायत आने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत दी है।मामला बीते शनिवार का है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग स्टेशन पर सफाईकर्मियों के यात्रियों पर पानी डालने का वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हुआ था। राजू यादव ने डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा को वीडियो शेयर किया था, जिसमें सफाईकर्मी प्लेटफॉर्म धुलने के लिए सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर जगा रहे थे। प्लेटफॉर्म आठ व नौ नंबर की ओर खम्मनपीर मजार है। यहां से चलने वाली ट्रेनों से सफर करने वाले व मजार पर आने वाले अक्सर प्लेटफॉर्म पर रुक जाते हैं।वायरल वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा था कि प्लेटफॉर्म पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर सफाईकर्मी जगा रहे थे। सोने वालों में बच्चे भी शामिल थे। इससे उन्हें असुविधाएं हुई तथा अपने कंबलों को लेकर हटना पड़ा। सफाईकर्मियों का कहना था कि प्लेटफॉर्म की धुलाई व सफाई के लिए रात में आसानी से काम हो जाता है। दिन में ट्रैफिक के चलते धुलाई नहीं हो पाती है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में सफाईकर्मी दोषी पाए गए। डीआरएम ने बताया कि सफाई एजेंसी पर 10000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेलवे प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य किया जा रहा है।

परियोजना लागत का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान निर्धारित

संयुक्त आयुक्त उद्योग, मुरादाबाद श्री योगेश कुमार ने सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करते हुए इन उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किए जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 1 लाख नई सूक्ष्म इकाइयों स्थापित किए जाने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड में आगामी 10 वर्षों की समयावधि में कुल 10 लाख नई सूक्ष्म इकाइयां स्थापित किए जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक महत्वाकांक्षी नई योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ की गई है। योजना का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के शिक्षित व प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में रोजगार सृजित करना है। प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को वित्त पोषित कर इस स्वरोजगार मिशन द्वारा आगामी 10 वर्षों में 10 लाख सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना करना है। इस योजना का लाभ उठाने हेतु अप्लाई करने के दौरान फोटो, हस्ताक्षर, आयु प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत/पैतृक मकान (बिजली बिल/वोटर आईडी/आधार कार्ड की प्रति), शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण-पत्र, नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ-पत्र, जाति प्रमाण पत्र (अनु0जाति/अनु0जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग), ऋण प्रदाता बैंक के साथ संपर्क इतिहास (संबंधित बैंक शाखा में चालू/बचत खाता के पासबुक का प्रथम की की प्रति), अनुभव प्रमाण पत्र अथवा अन्य सुसंगत प्रमाण की प्रति, दिये गये पते पर कब से निवास कर रहे हैं (पार्षद/ग्राम प्रधान/वार्ड मेम्बर द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र की प्रति), पैन कार्ड, परियोजना रिपोर्ट तथा कौशल प्रमाण पत्र /प्रशिक्षण प्रमाण पत्र/आरएसईटी से प्राप्त प्रशिक्षण/आईटीआई से प्राप्त प्रशिक्षण/कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रुपए 5 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर अनुदान निर्धारित किया जाएगा। रुपए 5 लाख से अधिक रुपए 10 लाख तक परियोजना लागत वाली इकाइयों में ऋणध् वित्त की व्यवस्था लाभार्थी को स्वयं के स्त्रोतों से करनी होगी जिसके सापेक्ष कोई अनुदान देय नहीं होगा। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की परिभाषा भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 में यथा परिभाषित से है। उद्योग का सुस्पष्ट आशय विनिर्माण क्षेत्र से है। विनिर्माण क्षेत्र में संलग्न होने वाली सभी इकाइयां उद्योग की श्रेणी में वर्गीकृत की जाएगी। सेवा क्षेत्र का आशय ऐसी इकाइयों से है जो ट्रेडिंग (किसी सामान को क्रय कर उसको उसी रूप में विक्रय करना) तथा विनिर्माण क्षेत्र से भिन्न हो तथा किसी तरह की सेवा से संबंधित हो। ऋण कंपोजिट लोन प्रकृति का होगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्म लोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि भवन का किराए सम्मिलित नहीं होगा । सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जातिध्जनजातिध्दिव्यांगजन के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रुपए 5 लाख जो भी कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा। यह अनुदान बैंक इंण्डेड होगा। परियोजना लागत अथवा अधिकतम रुपए 5 लाख जो भी कम हो के सापेक्ष बैंकध् वित्तीय संस्था से लिए गए ऋण के शत प्रतिशत ब्याज का उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 4 वर्षों के लिए दिया जाएगा। सीजीटीएमएसई कवरेज हेतु आवश्यक धनराशि का वहन भी 4 वर्षों तक राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। यदि लाभार्थी द्वारा स्वयं के स्त्रोतों से किसी ऋण पर वित्तीय संस्थाध्बैंक से सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा ली गई हो तो भी प्रस्तावित योजना में उसे ऋण एवं सीजीटीएमएसई कवरेज दिए जाने पर कोई रोक नहीं होगी। ब्याज उपादान त्रैमासिक आधार पर दिया जाएगा। लोन की तिथि से 06 माह की अधिस्थगन अवधी दी जाएगी। द्वितीय चरण की परियोजना लागत अधिकतम रुपए 10 लाख हो सकेगी तथा प्रथम स्टेज में लिए गए ऋण का अधिकतम दोगुना अथवा रुपए 7.50 लाख जो भी कम हो, की ऋण धनराशि पर 50 प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले तीन वर्षों के लिए दिया जाएगा द्वितीय चरण की परियोजना में कोई मार्जिन मनी सब्सिडी देय नहीं होगी। इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, आवेदक की आयु 21 से 40 वर्ष होनी चाहिए, आवेदक की योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 उत्तीर्ण होना चाहिए, इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जाएगी। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूल किट योजना, अनुसूचित जातिध्जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हों, अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टिफिकेट कोर्स डिप्लोमा डिग्री प्राप्त हो, पूर्व में पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूंजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हो। ऑनलाइन आवेदन हेतु https://msme.up.gov.in पर किया जा सकता है तथा अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र निकट 23 पीएसी कांठ रोड पर कार्यालय दिवस के दिन संपर्क किया जा सकता है।

पी0एम0 सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत आमजन अपने घर की छत पर ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना कराते हुए योजना का लाभ उठायें- वरिष्ठ परियोजना अधिकारी-2 ने बताया कि मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा माह फरवरी 2024 में पी0एम0 सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का शुभारम्भ किया गया। प्रदेश में योजना का क्रियान्वयन उ0प्र0 नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) एवं विद्युत विभाग द्वारा जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत घरेलू उपभोक्ताओं की घरों की छतों पर ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना का कार्य यूपीनेडा के अधिकृत वेण्डरों के माध्यम से अनुदान पर कराया जा रहा है, जिसके उपभोक्ता को नेशनल पोर्टल www.pmsuryghar.org.in पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके उपरांत पोर्टल पर ही यूपीनेडा में पंजीकृत वेन्डरों में से किसी एक का चयन करते हुए चयनित वेण्डर माध्यम से सोलर रुफटॉप संयंत्र की स्थापना कराई जाएगी। संयंत्र की स्थापना उपरांत नेटमीटरिंग का कार्य भी विद्युत विभाग के माध्यम से संबंधित वेन्डर द्वारा कराया जायेगा, जिसके उपरांत विद्युत द्वारा संयंत्र का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट लगाई जाएगी। संयंत्र पर भारत सरकार का अनुदान 01 कि0वाट पर रुपये 30 हजार व 02 कि0वाट रुपये 60 हजार और 03 कि0वाट एवं अधिक पर रुपये 78 हजार अनुदान अनुमन्य है तथ राज्य सरकार का अनुदान 01 कि0वाट पर रुपये 15 हजार और 02 कि0 वाट एवं अधिक पर रुपये 30 हजार अनुदान अनुमन्य है । इस अनुदान संयंत्र की स्थापना एवं नेटमीटरींग उपरांत 15 दिन से 01 माह के अन्दर सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में आयेगा। वरिष्ठ परियोजना अधिकारी-2 ने जनता को सूचित किया कि योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु अपने घर की छत पर ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना कराते हुए योजना का लाभ उठायें और हरित ऊर्जा का उपयोग कर अपने बिजली के बिल में बचत के साथ ही पर्यावरण को सरक्षित करें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अब 10 से 15 दिन में पूरी कराई जाएंगी सेमेस्टर परीक्षाएं, पास और फेल के नियम भी बदल सकते हैं

बीएचयू की परीक्षाओं की अवधि को नई शिक्षा नीति के अनुसार बदला जाएगा। कम से कम दिनों में परीक्षाएं पूरी कराई जाएंगी। अभी तक पूरा महीना परीक्षा में ही बीत जाता है।बीएचयू में परीक्षा के घटाया से मेस्टर महीना नहीं 15 दिन के परीक्षाएं जाएंगी। होने वाली

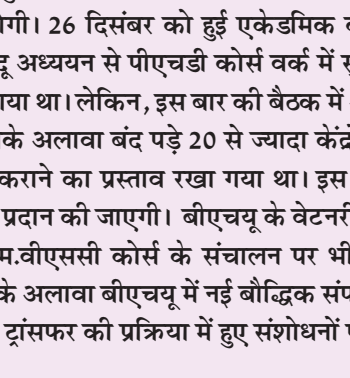

दिनों को जाएगा। अब परीक्षा में पूरा बीतेगा। 10- भीतर ही पूरी करा ली शुक्रवार को एके डमिक काउंसिल की बैठक में परीक्षा सुधार समिति का प्रस्ताव रखा जाएगा। पहली बार बीएचयू की किसी एकेडमिक काउंसिल में ये प्रस्ताव रखा जाएगा। बीएचयू के परीक्षा नियंता कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, बीएचयू की परीक्षाओं की अवधि को नई शिक्षा नीति के अनुसार बदला जाएगा। कम से कम दिनों में परीक्षाएं पूरी कराई जाएंगी। अभी तक पूरा महीना परीक्षा में ही बीत जाता है। लंबी अवधि की परीक्षाओं से लंबे समय तक छात्र-छात्राएं मानसिक दबाव की पीड़ा झेलते हैं। नए बदलावों में परीक्षा 10 से 15 दिन में पूरी कर ली जाएगी।इसके अलावा परीक्षा सुधार में पास और फेल के नियम भी बदल सकते हैं। परीक्षा सुधार समिति के प्रस्ताव के साथ ही चार संबद्ध कॉलेजों में शुरू होने वाले 18 पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी अंतिम मुहर लगेगी। पिछली एकेडमिक काउंसिल में कॉलेजों के नए कोर्स के प्रस्ताव को रखा गया गया था। हिंदू अध्ययन में पीएचडी कोर्स को भी मंजूरी मिल जाएगी। इसे इस बार की पीएचडी बुलेटिन में भी शामिल किया जा सकता है। इस बैठक में पीजी कोर्स की फीस में बदलावों पर भी मुहर लग सकती है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल की ये अंतिम एकेडमिक काउंसिल होगी। 26 दिसंबर को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में हिंदू अध्ययन से पीएचडी कोर्स वर्क में सुधार के बाद पेश किया गया था। लेकिन, इस बार की बैठक में अनुमति दे दी जाएगी। इसके अलावा बंद पड़े 20 से ज्यादा केंद्रों में पीएचडी कोर्स शुरू कराने का प्रस्ताव रखा गया था। इस पर भी चर्चा कर सहमति प्रदान की जाएगी। बीएचयू के वेटनरी एंड एनिमल साइंस में एम.वीएससी कोर्स के संचालन पर भी अंतिम मुहर लगेगी। इसके अलावा बीएचयू में नई बौद्धिक संपदा नीति और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की प्रक्रिया में हुए संशोधनों पर भी विमर्श होगा।

भ्रष्टाचार के आरोप में हटाए अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, प्रताड़ना के भी लगे थे आरोप

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को हट दिया गया है। उन पर प्रताड़ना के भी गंभीर आरोप लगे थे।भ्रष्टाचार के आरोप में अयोध्या के राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। साथ ही संविदा पर तैनात लिपिक की मौत के मामले की भी जांच कराई जाएगी। पीड़ित के परिवार ने प्रधानाचार्य पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अयोध्या मेडिकल कॉलेज में प्रधानाचार्य के प्रकरण को गंभीरता से लिया है। जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए डिप्टी सीएम ने कार्रवाई की है। डिप्टी सीएम ने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। डॉ. ज्ञानेन्द्र की प्रताड़ना से संविदा लिपिक प्रभुनाथ मिश्र की मृत्यु के आरोपों की भी जांच कराई जायेगी।ये था मामला- अयोध्या के प्रधानाचार्य की लगातार गम्भीर शिकायतें हुई। उन पर पूर्व अनुमोदित फर्मों से क्रय की गयी औषधियों, हाउस कीपिंग, बायोमेडिकल वेस्ट, मरीजों का खाने आदि का भुगतान न करते हुए लम्बित बिलों का भुगतान करने में कमीशन की मॉग के आरोप लगे हैं। शिकायत के बाद शासन ने 17 मई 2024 को अपर निदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण की अध्यक्षता में वित्त नियंत्रक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण लखनऊ व अपर जिलाधिकारी (एफ0आर0), अयोध्या की त्रिसदस्यीय समिति गठित की गयी थी। कमेटी ने जांच कर आख्या लोकायुक्त को निर्णय के लिए 23 सितंबर 2024 को प्रेषित कर दी थी।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

दो प्रेमियों के चक्कर में प्रेमिका के नाबालिक बच्ची का आबरू खतरे में

मामले को लेकर जियावन पुलिस गंभीर नहीं पीड़िता ने एस पी से लगाई न्याय सुरक्षा की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -अनुपम द्विवेदी

मध्यप्रदेश सिंगरौली जिले के जियावान थाना क्षेत्र में आए दिन अपराध बढ़ता ही जा रहा है, हाल ही में जियावन थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती के साथ गैंगरेप किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया था, फिर एक शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई, जियावान थाना क्षेत्र में दो प्रेमियों के चक्कर में प्रेमिका के नाबालिक बच्ची का आबरू खतरे में है, इस तरह की वारदातें लगातार हो रही है लेकिन जियावन पुलिस पीड़ितों को सुरक्षा देने में असमर्थ है। मिली जानकारी अनुसार जियावान थाना क्षेत्र की एक गांव की एक महिला ने बताई की 10 वर्ष पहले गांव का ही एक व्यक्ति रमेश पटेल पिता विमल पटेल मेरे घर आता जाता था जिसकी मुझे देख नियत खराब हुई और मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया अपनी लोक लज्जा के कारण मैं कहीं रिपोर्ट नहीं की बीच में जब ज्यादा तकलीफ देने लगा तो मैंने जियावान थाना में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई तो पुलिस द्वारा उसके ऊपर मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया, इसके बाद उसके परिजनों द्वारा मेरे ऊपर दबाव बनाकर राजी नामा करवाया गया तब जमानत से बाहर आया कुछ दिन तो शांत रहा अब बोलता है कि तुम हमें जेल भेजी थी तुम्हारे पीछे पैसा खर्च किए हैं बोलकर फिर से मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता है और बोलता है कि तुम्हारी लड़की को भी हम रखेंगे जिस बात का विरोध की तो दिनांक 22 दिसंबर 2024 समय लगभग 12:00 बजे रात को मेरे घर में आग लगा दिया आग लगने से चारपाई बिस्तर पैसा जेवर सब जलकर नष्ट हो गया, जिसकी रिपोर्ट लिखवाने जियावन थाना गई तो वहां मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। पीड़ित परिवार दहशत में, पीड़िता ने बताया कि जब से जेल से लौट कर मेरे घर में इस तरह की घटना को अंजाम दिया है तब से मेरा और मेरे परिवार का कही बाहर आना जाना बंद हो गया है साम होते ही घर का दरवाजा बंद कर लेते हैं मेरे पति जहां कहीं मजदूरी करने जाते हैं तो वहा भी लड़ाई करने पहुंच जाता है मेरा जीना दुश्वार हो गया है मुझे और मेरे परिवार को जान से खत्म कर देने की लगातार धमकी दे रहा। जियावन पुलिस मामले को लेकर गंभीर नहीं- पीड़िता ने बताई की जियावान थाने में मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई तब मैं एसपी ऑफिस जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई तो वहां से बोला गया कि जो जियावान थाना प्रभारी को यह रिपोर्ट दे देना मेरे द्वारा फोन कर दिया गया है कार्यवाही की जाएगी तब मैं अपनी एसपी ऑफिस में दर्ज कराई हुई रिपोर्ट को थाना प्रभारी के पास लेकर गई तो थाना प्रभारी द्वारा बोला गया की आरोपी भाग गया है जब घर लौट कर आएगा तब बताना हम जेल भेजेंगे।अब सवाल यह है कि क्या जियावन पुलिस बड़ी घटना के इंतजार में है, देखने वाली बात यह होगी कि खबर चलने के बाद पुलिस कोई एक्शन लेती है या फिर ऐसे ही बड़ी घटना के इंतजार में आरोपी को खुला छोड़ देती है।

बागपत में ऑनर किलिंग: पति-भाई और जीजा ने मिलकर सुमन को काट डाला... पता चलते ही खून के आंसू रोया प्रेमी नीरज

मायके आकर सुमन ने अपनी प्रेमी नीरज से साथ मिलना जारी रखा, तो पति और मायके वाले भड़क गए थे। नीरज ने ही पुलिस को सूचना दी। इस मामले में कुल चार आरोपी पकड़े गए हैं, जबकि पांचवां फरार है। चार दिन पहले प्रेमी संग फरार होने से क्षुब्ध परिजनों ने सुमन की पिटाई के बाद गला रेतकर हत्या कर दी और बिनौली-दादरी के जंगल में ईख के खेत में गड्ढा खोदकर शव दबा दिया। प्रेमी की सूचना पर पुलिस ने चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर शव बरामद किया। बिनौली की रहने वाली सुमन (22) का पड़ोस के ही नीरज के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसका पता चलने पर परिजनों ने सुमन की बंदिशें बढ़ा दी थी। 23 नवंबर को कृष्ण निवासी सोनीपत के साथ उसकी शादी कर दी। बताया कि इसके बाद भी सुमन ने नीरज से बातचीत बंद नहीं की। मायके में आने के बाद सुमन चार दिन पहले नीरज के साथ फरार हो गई। इसका पता चलने पर उसका पति कृष्ण भी बिनौली आ गया और रिश्तेदारों के साथ मिलकर नीरज के परिजनों पर दबाव बनाकर सुमन को घर बुलवा लिया। बताया कि बुधवार को परिजनों ने सुमन की पिटाई की और फिर गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। बिनौली में दादरी गांव के जंगल में किसान देवेंद्र सिंह के ईख के खेत में गड्ढा खोदकर शव दबा दिया। इसका पता चलने पर नीरज ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी। मृतका के भाई रोहित, पति कृष्ण निवासी सोनीपत, जीजा जितेंद्र निवासी कुड़ाना जिला शामली और पड़ोसी राजीव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी फरार है। इस मामले में एसपी अर्पित विजयवर्गीय का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मदरसे में जाली नोट छापते पांच गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती, नेपाल सीमा पर एक मदरसे में नकली नोट छापने के कारखाने का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार करने के साथ नोट छापने की मशीन, उपकरण और अवैध असलहे भी बरामद किए हैं। खुफिया विभाग की सूचना पर एसपी ने एसओजी प्रभारी नितिन यादव को खुलासे के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने हरदत्तनगर थाने के भेसरी नहर पुल से तीन लोगों को पकड़ा। तलाशी में उनसे नकली नोट और तमंचा बरामद हुआ। तीनों से पूछताछ में पता चला कि मल्हीपुर थाने के नेपाल सीमा के करीब बसे गांव लक्ष्मनपुर में एक मदरसे में नकली नोट छापे जा रहे हैं। इस पर मदरसे में छापा मार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों ने 500, 200 व 100 के नोट, असलहे जब्त मदरसे में मशीन लगा छाप रहे थे नकली नोट नकली नोट छाप बाजारों में खपाने का जुर्म स्वीकार किया है। आरोपियों की पहचान राम सेवक ग्राम बेगमपुर थाना रामगांव बहराइच, धर्मराज शुक्ला निवासी विशेश्वरगंज, अवधेश पाण्डेय निवासी ग्राम ककन्धू श्रावस्ती, जलील अहमद निवासी काशीजोत थाना पयागपुर, मुबारक अली निवासी लक्ष्मनपुर दाखिला श्रावस्ती के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से प्रिन्टर, दो लैपटाप, चार बोतल इंक, जाली नोट के 35,400 रुपए और असली नोट कुल 14,500 रुपया बरामद किया है।

सर्विलांस सेल ने बरामद, किये 75 मोबाइल फोन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती पुलिस की सर्विलांस टीम ने 75 गुमशुदा स्मार्टफोन को बरामद करने का दावा किया है जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गुमशुदा मोबाइलों के सम्बन्ध में प्रात प्रार्थना-पत्रों के निस्तारणं /मोबाइल बरामदगी हेतु सर्विलांस सेल, जनपद श्रावस्ती को निर्देशित किया गया था तथा खोये हुए मोबाइलों की शीघ्र बरामदगी कर उनके मालिको को सुपुर्द करने हेतु सर्विलांस टीम को निर्देश दिए गए थे। जिसके अनुक्रम में सर्विलांस सेल ने खोये हुए प्रत्येक मोबाइल को लगातार ट्रैकिंग कर 75 मोबाइल विभिन्न जनपद/राज्यों से बरामद किया। यहां सवाल यह उठता है कि सर्विलांस टीम ने जिन खोये हुए मोबाइलों को बरामद करने का दावा किया वे फोन सर्विलांस टीम को कहां से बरामद हुये यह सवाल जन सामान्य में चर्चा का विषय बने हुए है क्या सर्विलांस टीम को यह फोन सड़क पर लावारिस अवस्था में मिले या इन फोनो को किसी के पास से बरामद किया गया यदि किसी के पास से यह फोन बरामद हुए तो उसका विवरण पुलिस ने क्यों नहीं दिया क्या लेन-देन के आधार पर जिन लोगो के पास से फोन बरामद हुए उन्हें बाइज्जत छोड़ दिया गया और यदि यह फोन पुलिस को लावारिस अवस्था में मिलें तो उसका विवरण भी पुलिस को देना चाहिए। ऐसा न करके पुलिस ने फ ोन बरामदगी के लिए अपनी पीठ तो थपथपा ली लेकिन आम जनमानस में पुलिस कार्यवाही पर प्रश्नचिन्ह लगाये जा रहे हैं। पुलिस । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बरामद फोनो को उनके स्वामियों को बुलाकर सौंप दिये गये है।

ये कैसी व्यवस्था: आईएमएस बीएचयू में कागज पर साढ़े तीन साल से आईवीएफ सेंटर, हर महीने लौट रहीं 30 महिलाएं

आईएमएस बीएचयू में कागज पर साढ़े तीन साल से आईवीएफ सेंटर है, लेकिन यहां ताला ही लटका रहता है। यही वजह है कि हर महीने संतान न होने की समस्या लेकर पहुंच रही 30 महिलाएं मायूस लौट रही हैं। आईएमएस बीएचयू में पिछले साढ़े तीन साल से कागज पर ही आईवीएफ सेंटर चल रहा है। हकीकत ये है कि सेंटर में न तो किसी का इलाज हो रहा है और न ही यहां उपकरण हैं। हर महीने 30 से अधिक महिलाएं संतान न होने की समस्या लेकर यहां पहुंचती हैं और मायूस होकर लौटती हैं। बुधवार को भी आईवीएफ सेंटर के गेट पर ताला बंद मिला। आईएमएस बीएचयू में एमएस ऑफिस के पास बने पांच मंजिला एमसीएच विंग का उद्घाटन 15 जुलाई 2021 को हुआ था। इसके बनाने का उद्देश्य यही था कि गर्भवती महिलाओं, नवजात को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाओं का लाभ मिल सके। यहां गर्भवती महिलाओं के लिए ओपीडी, डिलीवरी, खून संबंधी जांच, ऑपरेशन सहित अन्य सुविधाएं तो मिल रही हैं लेकिन अब तक यहां आईवीएफ सेंटर का संचालन नहीं हो सका। जबकि पांचवें तल पर सेंटर की जगह निर्धारित है। गेट पर आईवीएफ सेंटर का बोर्ड भी लगा है लेकिन यहां ताला लगा है। अंदर आईवीएफ सेंटर संचालन के लिए कोई सुविधा नहीं है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने रैन बसेरे का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। भीषण ठंड में गरीब, बेसहारों एवं असहायों को रात्रि में ठहरने के लिए कोई दिक्कत न होने पाए, इसके लिए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने संयुक्त जिला चिकित्सालय एवं रोडवेज बस स्टैंड पर बने रैन बसेरा का रात्रिकाल भ्रमण कर निरीक्षण किया। रैन बसेरा के प्रबंधक को सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होने सम्बन्धित को निर्देशित किया कि सर्दी एवं शीत लहर को देखते हुए रैन बसेरों में रूकने वाले बेसहारा लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा अलाव की भी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि रैन बसेरे में आने वाले परिवारों के लिए अलग एवं अन्य लोगों के लिए अलग ठहरने की व्यवस्था की जाए। जनपद में जहां पर भी रैन बसेरा बने हुए है, उनके लिए मुख्य मार्गो पर साइन बोर्ड लगाया जाए, जिससे लोगों को ढूंढने में कोई दिक्कत न होने पाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने रैन बसेरे में जलाए गए अलाव का भी निरीक्षण किया। उन्होने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान यह ध्यान रखें कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान में न सोने पाए। यदि कोई गरीब, बेसहारा व्यक्ति खुले आसमान में सोता पाया जाए तो उन्हें रैन बसेरों में तत्काल शिफ्ट किया जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के निकट बगरैय्या मोड़ पर पात्र लोगों को कंबल भी वितरित किए तथा उनसे रैन बसेरों में आश्रय लेने हेतु अपील भी किया

अज्ञात कारणों से आग लगने से दो गायों की जलकर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती - थाना गिरंट क्षेत्र ददोरा निवासी होली राम रात में खा पीकर अपने फूस के मड़हे में लेटे हुए थे तथा उनकी चार गाय बंधी हुई थी कि अचानक मडहे में आग लग गयी और आग की लपट जब होली राम को लगी तो उठकर बैठा वह जब तक समझ पाता आग ने बिकराल रूप ले लिया। चार गायो में दो गाय को जैसे तैसे बचा लिया लेकिन दो गाय जलकर मौत हो गई। बचाव के दौरान होली राम भी झुलस गए।

श्री बालाजी धाम पर हवन संकीर्तन विशाल भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली श्री बालाजी धाम पर हवन सा कीर्तन एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया श्री बालाजी धाम करनाल रोड पर मासिक कीर्तन एक विशाल भंडारे का शाम को आयोजन किया गया जिसमें कीर्तन में बाहर से आए कलाकारों द्वारा बाबा बालाजी महाराज के सुंदर-सुंदर भजनों का गुणगान किया गया जिसमें बाबा के दरबार में श्रद्धालुओं ने सुंदर भजनों के साथ घूमना शुरू कर दिया यह कीर्तन बाबा की इच्छा था चला रहा भक्त जनों के खाने-पीने एवं प्रसाद की मंदिर कमेटी द्वारा उत्तर व्यवस्था की गई

लखनऊ हत्याकांड: अरशद के पिता ने एक साल पहले बेचा मकान, काफी खुश थे बाप-बेटे; पुलिस जांच में एक और खुलासा

आगरा के टेड़ी बगिया के रहने वाले अरशद ने लखनऊ के एक होटल में मां और चार बहनों का बेरहमी से कत्ल कर दिया। इसके बाद उसने एक वीडियो भी बनाया, जिसमें कत्ल की वजह पड़ोसियों द्वारा उत्पीड़न करना बताया गया। इस मामले में आगरा पुलिस जांच में जुटी, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। लखनऊ के होटल में मां और चार बहनों का साल पहले बेचा गया था। अरशद के पिता ने पांच लाख रुपये में मकान का सौदा किया आ रहे थे। दो लाख रुपये एडवांस दिए थे बदरुद्दीन की 50 गज जमीन खरीदने वाले दिए थे। रुपये लेते समय का वीडियो भी बनाया था। पिता-पुत्र ने रकम ले ली थी। वह जमीन पर मकान बनवा रहा था अरशद -रकम लेने के बाद ही अरशद ने अपने हिस्से की को लेकर किसी तरह का विवाद सामने नहीं हुआ। इस पर किसी से उन्होंने कोई चर्चा भी अरशद कुछ दिन पहले ही म्यूजिक सिस्टम खरीदकर लाया था। रात में तेज आवाज में का विवाद -डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि एसीपी हेमंत कुमार से जांच कराई जा कत्ल करने वाले अरशद के कई राज खुलते जा रहे हैं। इस हत्याकांड की वजह जो मकान माना जा रहा है, वो एक और दो लाख रुपये एडवांस भी लिए थे। रुपये लेते समय एक वीडियो भी बनाया गया, जिसमें बाप-बेटे खुश नजर अलीम ने बताया कि 1 जनवरी 2024 को जमीन का सौदा हुआ था। उन्होंने बदरुद्दीन को दो लाख रुपये एडवांस काफी खुश थे। फरवरी में जमीन का बैनामा किया तो चेक से पांच लाख रुपये अदा किए थे। अपने हिस्से की जमीन पर मकान बनवाना शुरू कर दिया। इस कारण वह तीन महीने उनके घर में ही रहे थे। तब उनमें जमीन बेचने नहीं की। वह मकान बनने पर वापस चले भी गए थे। तेज आवाज में बजाता था गाना- पड़ोसियों ने बताया कि गाना बजाया करता था। बातचीत न होने की वजह से कोई उससे कुछ नहीं कहता था।पड़ोसियों से नहीं किसी तरह रही है। प्राथमिक पूछताछ में पड़ोसियों से किसी तरह का विवाद सामने नहीं आया है।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित

क्यूँ न लिखूँ सच

बिहार पुर में कांग्रेस पार्टी के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया चांदनी बिहार पुर मैं पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के निधन पर कांग्रेस पार्टी के मंडल अध्यक्ष मंदेश गुर्जर के अगुवाई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर 2 मिनट का मन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया जिसमें मुख्य रूप से पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। श्री मंदेश गुर्जर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र साकेत अध्यक्ष युवा कांग्रेस राजेश कुमार जायसवाल मंडल अध्यक्ष मजदूर कर्मचारी संघ भैया लाल गुप्ता बैचू राम बेश्य महामंत्री लालु जायसवाल कमलेश यादव विजय बहादुर धर्मदास वैश्य अनिल साकेत राम नरेश साकेत अयोध्या प्रसाद वैश्य भोलानाथ काशी आनंद जायसवाल शैलेश कुमार जायसवाल पूर्व उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस शिवगोपाल जायसवाल कन्नीलाल जायसवाल रमेश गुप्ता रामेश्वर बेश्य रामबाबू जायसवाल राम रक्षा जायसवाल वसंत गुर्जर बीडीसी राजेंद्र शर्मा बंसमन गुर्जर रामधन वैश्य आदि उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय का ध्यान रखें: कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्ट्रेट कक्ष में कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने सर्व निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विकास कार्यों व निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने स्वीकृति, प्रगतिरत व अप्रारंभ कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में स्कूल जतन योजना के कार्यों की समीक्षा भी की गई जिसमें उन्होने स्कूल जतन योजना के तहत विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधितो को दिए। लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क, हाउसिंग बोर्ड, आरईएस, सीजीएमएससी व सेतु विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि अधिकारी अपने विभागों के कार्यों का मूल्यांकन करें और निर्माण कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग व निर्माण कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करें। गुणवत्ता युक्त निर्माण सामग्री का उपयोग करें। किसी भी दशा में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों को स्वीकार नहीं किया जायेगा । इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्बाध बिजली व्यवस्था हेतु, नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को दिये। बिजली खपत के अनुसार ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिये ताकि बेहतर बिजली व्यवस्था स्थापित हो सके। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली गई

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए हर घर जल सर्टिफिकेशन इस दौरान ईई लोक और क्रेड़ा विभाग के अभियंता एवं अन्य दौरान उन्होंने लोक स्वास्थ्य मिशन के कार्यों की निर्माण, पाइप लाइन और बोरिंग की जानकारी की और आवश्यक दिशा सफलता के लिए दौरान आने वाली ।इसके लिए सभी विभागों समस्या का त्वरित निपटान जलसंसाधन से पानी के जानकारी लेते हुए जिले के के लिए जल आपूर्ति के में चर्चा की। उन्होंने जल आवश्यकतानुसार एनिकट आवश्यक निर्देश दिए। अंतर्गत गांवों में क्रेड़ा जलापूर्ति अवसंरचना निर्माण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए हर घर जल आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए हर घर जल सर्टिफिकेशन करवाने के दिए निर्देश।

सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य यांत्रिकी, ईई जलसंसाधन अधिकारी सहित विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। इस यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन समीक्षा की। उन्होंने दौरान टंकी विस्तारीकरण, सोलर पंप स्थापना लेते हुए मिशन के कार्यों की समीक्षा निर्देश दिए। इस दौरान मिशन की क्रियान्वित किए जा रहे कार्यों के समस्याओं के सम्बन्ध में चर्चा की को आपसी समन्वय के साथ के निर्देश दिए। इस दौरान ईई विभिन्न स्त्रोतों के सम्बन्ध में विभिन्न क्षेत्रों में जलजीवन मिशन लिए पानी की उपलब्धता के संबंध की उपलब्धता बेहतर करने के लिए निर्माण के प्रस्ताव पर चर्चा कर इसके अलावा जलजीवन मिशन विभाग से सौर ऊर्जा आधारित

न्यायालय ने आरोपी को सुनाई दोहरी आजीवन कारावास की सजा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला सत्र न्यायालय सूरजपुर के न्यायालय, श्री आनंद प्रकाश वारियाल, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.एस.सी.) सूरजपुर ने एक जघन्य अपराध के मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी, अभियुक्त को दोहरी आजीवन कारावाश की सजा सुनाई। मामले में आरोपी द्वारा रात्रिकाल का लाभ उठाते हुए नाबालिक पीड़िता, मृतिका को बहला-फुसला कर उसके साथ जबरन बलात्कार किया, घटना की जानकारी नाबालिक को पता न चल जाये इसके डर से से थोडी दूर लें जाकर खेत में बने कुएँ थाना रामानुजनगर क्षेत्र अंतर्गत 2 वर्ष विरूद्ध धारा 363, 366, 376 एवं अधिनियम 2012 की धारा-4 के तहत गिरफ्तार कर विवेचना उपरांत भारतीय 201, 34 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा- न्यायालय के समक्ष मामला प्रस्तुत सुनवाई के दौरान प्रकरण की पैरवी शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्री नरेश कुमार कौशिक के द्वारा किया गया। आरोपी के विरुद्ध आरोपित धारा 363/34, 366/34, 376घ/34, 302/34, 201/34 भा.द.सं. एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा-6 के तहत दोषसिद्ध पाये जाने पर माननीय न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की दोहरी सजा सुनाई। यहां यह बताना आवश्यक है कि श्री गोविन्द नारायण जांगड़े, जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के दिशा निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्राय: आमजन के विधिक ज्ञान हेतु साक्षरता शिविरों का आयोजन स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायतों एवं अन्य स्थानों पर किया आयोजित किया जाता है जिसमें यह बताया जाता है कि 18 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग के साथ संबंध स्थापित या छेड़छाड़ करना उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित करना पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में आता है भले ही वह उसकी पत्नी हो। कानून में 18 वर्ष लडकी के लिए एवं 21 वर्ष लडके की शादी के लिये निर्धारित है फिर भी लोग छुप छुपाकर शादी करता है 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की से शादी करना या उस शादी में शामिल होना जिसमें नाबालिग की शादी हो रही हो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आता है।

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों में निरन्तर का किया जा रहा निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देशन में एसडीएम प्रतापपुर सहित राजस्व विभाग के टीम द्वारा धान खरीदी केंद्र धवन कार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान समिति में पाए गए धान का का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें कुल 16 स्टेक में 84228 बोरी (लगभग 33691.20 क्विंटल) धान पाया गया जोकि ऑनलाइन प्रदर्शित धान की मात्रा से 2032.40 क्विंटल कमी पाया गया। इस दौरान बारदाना का सत्यापन भी किया गया जिसमें बारदाना की मात्रा ऑनलाइन बचत प्रदर्शित से 5100 नग अधिक पाया गया। इस सम्बन्ध में उचित कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन जिला खाद्य अधिकारी सूरजपुर को भेजा गया है। इसके अलावा भैयाथान एसडीएम द्वारा धान उपार्जन केंद्र बतरा का निरीक्षण किया गया। राजस्व विभाग की अन्य टीम द्वारा धान खरीदी केंद्र सोनगरा का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान उपस्थित 2 कृषकों के द्वारा विक्रय हेतु शेष धान नहीं होना बताए जाने पर लगभग 1 हेक्टेयर का रकबा समर्पण कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

आज सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला पंचायत सूरजपुर की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 03 जनवरी को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से तदोपरांत सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में आहूत की जाएगी।

ग्राम के निर्वाचक नामावली में नाम के सम्मिलन, प्रविष्टि संशोधन एवं नाम सम्मिलन में आपत्ति के लिए दावा आपत्ति 06 जनवरी 2025 तक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार जिला सूरजपुर के सभी जनपद पंचायत क्रमशः सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर, ओड़गी, भैयाथान एवं प्रतापपुर की ग्रामपंचायतों के वार्डवार निर्वाचक नामावली तैयार है एवं आम लोगों के नि:शुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। प्रत्येक ग्राम पंचायत की निर्वाचक नामावली 01 अक्टूबर, 2024 के आधार पर तैयार की गई है। कोई भी व्यक्ति जो तारीख 01 जनवरी 2025 के संदर्भ में, किसी ग्राम के निर्वाचक नामावली में किसी का नाम को सम्मिलित किए जाने या किसी प्रविष्टि को संशोधित करने के लिए दावा करना चाहे या किसी व्यक्ति का नाम सम्मिलित किये जाने के संबंध में आपत्ति करना चाहे, वह इस संबंध में अपना दावा, आपत्ति निर्धारित प्रारूप (फार्म) में 31 दिसंबर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक अपरान्ह 3.00 बजे तक प्रत्येक ग्राम पंचायतों के लिए पृथक-पृथक नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारी, अधिकारी जो दावा, आपत्तियां प्राप्त करने के लिए अपने-अपने ग्राम पंचायत भवन में उपलब्ध रहेंगे, उन्हें निर्धारित फार्म में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विहित समय के पश्चात प्रस्तुत दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

निर्वाचक नामावली में त्रुटि सुधार हेतु 06 जनवरी तक कर सकतें है दावा आपत्ति

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 01 अक्टूबर 2024 की स्थिति में तैयार की गई निर्वाचक नामावली का नगरपालिका परिषद् सूरजपुर के सभी 18 वार्डों एवं नगर पंचायत विश्रामपुर, भटगांव, जरही व प्रतापपुर के सभी 15-15 वार्डों के मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर 06 जनवरी 2025 तक छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के निर्देशानुसार दावा, आपत्तियां प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ है। नगरपालिका परिषद् सूरजपुर एवं नगर पंचायत विश्रामपुर, भटगांव, जरही व प्रतापपुर के सभी गणमान्य नागरिकों, आम जनता, मतदाताओं से आग्रह है कि वे अपने-अपने वार्ड के मतदान केन्द्रों, नगरीय निकायों, संबंधित तहसील कार्यालयों एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालयों में उपलब्ध मतदाता सूची का भली भांति अवलोकन, वाचन कर यह सुनिश्चित कर ले कि उनके एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम जो वोट देने के लिए पात्र हैं, मतदाता सूची में अंकित है एवं संबंधित वार्ड में ही है और सही है, यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो उसके सुधार हेतु तत्काल अपने मतदान केन्द्र में उपलब्ध प्राधिकृत कर्मचारी के समक्ष समुचित कार्यवाही करें। संबंधित वार्ड के मतदान केन्द्र में उपलब्ध मतदाता सूची में परिवर्धन, संशोधन, विलोपन (नाम जोड़ना, नाम सुधारना, नाम काटना) का कार्य किया जा रहा है। संबंधित मतदान केन्द्र में नाम जोड़ने व नाम काटने एवं नाम में हुई त्रुटि का सुधार करने का कार्य दिनांक 06 जनवरी (सोमवार) अपरान्ह 03:00 बजे तक एवं नये मतदाता का नाम जोड़ने का कार्य 10 जनवरी 2025 (शुक्रवार) तक किया जायेगा। निर्वाचक नामावली शुद्ध एवं त्रुटि रहित बने इसके लिए आप सभी का सहभागी होना आवश्यक है, साथ ही अपने परिवार, मित्र एवं आस पड़ोस के लोगों को भी इस कार्य हेतु जानकारी देकर, निर्वाचक नामावली (मतदाता सूची) में नाम जोड़वाने हेतु प्रेरित कर जागरूक मतदाता होने का परिचय दें।

अवैध धान संग्रहण पर लगातार कार्यवाही जारी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देशन में निरन्तर अवैध धान को लेकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज तहसीलदार लटोरी के नेतृत्व में खाद्य, राजस्व एवं सूरजपुर मंडी के संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम कल्याणपुर के मनोहर जायसवाल के पास अवैध रूप से संग्रहित 214 बोरे धान वजन 86 क्विंटल अनुमानित , श्रीमती प्रीति जायसवाल पति दिनेश जायसवाल के पास 250 बोरे वजन 100 क्विंटल लगभग जब्त किया गया है। ग्राम कल्याणपुर में गुलजारी जायसवाल के मकान में धान का अवैध भंडारण की आशंका पर मकान को सील किया गया। इसी क्रम में लटोरी के मीना सोनी पति प्रमोद सोनी के दुकान से भी 110 बोरे वजन 44 क्विंटल धान जब्त किया गया।

7 Makeup Tips will make you look young like 30 even at the age of 40, your neighbor will be jealous seeing your face glow

Age is just a number! Yes, this saying can prove true even at the age of 40. With a few makeup tips and the right products, you can look many years younger than your age. Let's know those 7 makeup tips (Anti-Aging Makeup Tips) which will help you to look young like 30 even at the age of 40. Fine lines can be hidden if makeup is used correctly. Some makeup tips are very helpful in reducing the effects of aging. You should keep some things in mind while getting ready for a party or function. Every woman dreams of always looking young and beautiful, but with time the wrinkles and fine lines on the face make this dream a little blurred. However, you still do not need to worry, because with the help of some makeup tips (Makeup Tips To Look Younger), you can cheat aging and look young again. Want to know what these tips are? So get ready, because we are going to tell you some makeup secrets, with which you can attract everyone's attention in any party or function. 1) The magic of primer- Primer is the base of makeup. It makes your skin very smooth and fills fine lines and pores. This makes your makeup last longer and your skin looks young and glowing. Keep your skin type in mind while choosing a primer. 2) The magic of lightweight foundation Heavy foundation can highlight your age. So use a light and creamy foundation that blends easily into your skin. It will cover your skin naturally and your skin will also be able to breathe. 3) Hide blemishes with concealer- Use concealer to hide dark circles under the eyes, acne marks and other blemishes. While choosing a concealer, choose a shade slightly lighter than your skin tone. 4) Bring color with blush- Blush brings a natural glow to your face. Use creamy blush and apply it on the top of your cheeks and on the sides of the nose. 5) Make eyes bigger with eye makeup- Use light shades to make the eyes look bigger and shiny. While applying eyeliner, draw a thin line and while applying mascara, pay more attention to the upper eyelashes. 6) Fill in the eyebrows with brow pencil- Eyebrows are also an important part of the face. Fill in your eyebrows with brow pencil and shape them. This will give a structured look to your face. 7) Enhance beauty with lipstick- Nude or pink shades of lipstick can bring a new glow to your face. Also use lip balm before applying lipstick. Also keep these things in mind- Regular use of sunscreen: Sunscreen protects your skin from UV rays and prevents the formation of wrinkles and fine lines. Drink plenty of water: Water keeps your skin hydrated and makes it glow. Healthy diet: If you want to nourish your skin from within, then it is very important to take a healthy diet daily. Sleep: Getting enough sleep keeps your skin healthy. In such a situation, you do not easily face the problem of fine lines and dark circles.

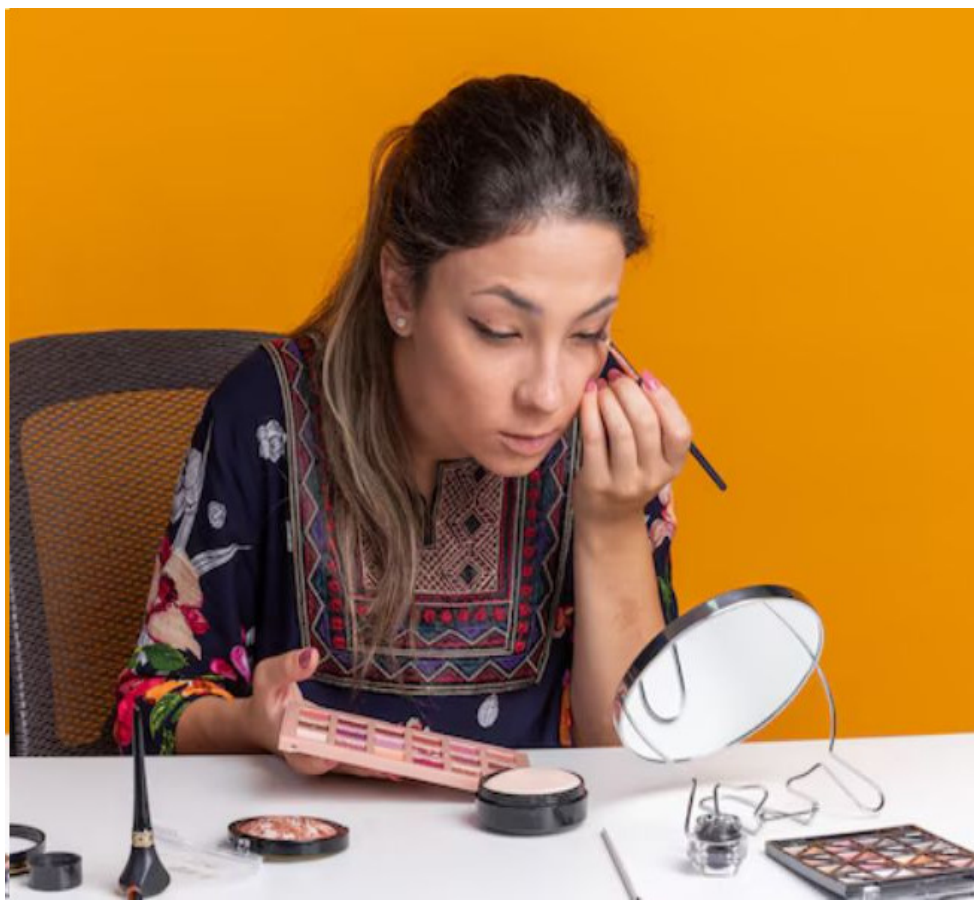

If you also want black, long and thick hair, then stay away from these 8 food items today

Black, long and thick hair is everyone's dream. The beauty of hair not only enhances your personality but also increases your confidence, but due to unhealthy foods, hair problems like hair fall, dandruff, hair weakening, etc. have become common. Let's know about such 8 things (Foods That Damage Hair) that make hair lifeless. People use many products for healthy hair. By making some changes in the diet, you can take care of hair health. For black, thick and strong hair, you have to stop eating some things. Your diet has a direct impact on your hair health. Some food items are very beneficial for hair, while some things can damage the hair. If you want your hair to be black, long and thick, then you have to make some changes in your diet. Let's know about those 8 food items (Foods To Avoid For Healthy Hair) from which you should stay away if you want your hair to be black, long and thick. Give up these 8 foods today for healthy hair - Sweet things: Eating sugary items increases the level of insulin in your body, which leads to hair fall. Soda and energy drinks: The sugar and caffeine present in them damage the hair. Processed food: Processed food contains high amounts of sodium and trans fat, which are harmful for hair. White flour: White flour lacks nutrients, which affects hair growth. Excess salt: Excess salt in the diet causes dehydration in the body, which makes hair dry and lifeless. Alcohol: Alcohol absorbs water from the body, which weakens the hair roots. Coffee and tea: Drinking excessive amounts of coffee and tea can cause iron deficiency in the body, which leads to hair fall. Fast food: Fast food contains high amount of calories, fat and sodium, which are harmful for hair. These foods are beneficial for hair- Protein: Eggs, pulses, fish, chicken etc. are rich in protein. Vitamin A: Carrots, sweet potatoes, spinach etc. are rich in Vitamin A. Vitamin C: Oranges, lemons, guavas etc. are rich in Vitamin C. Iron: Spinach, beetroot, fenugreek etc. are rich in iron. Omega-3 fatty acids: Flax seeds, almonds, fish etc. are rich in Omega-3 fatty acids.

People also give pain to their partner by hugging them in the wrong way, this is the right way - your partner will also be happy

It is usually seen that some people think that hugging their partner means hugging only. Whereas it is not so. Hugging is a different art and just hugging is a different way. So keep in mind that when you hug your partner, take care of his/her comfort too. Because your hug should be comfortable for him/her, not a punishment. Take consent before hugging Do not hug your partner for too long - hugging too hard is also wrongHugging your partner is a loving and comfortable way to express your love. But many times people do not know the right way to hug, due to which this experience can be less comfortable.Hugging your partner is also an art, you will be surprised that many people do not know this art. Many people think that hugging means just hugging each other. Whereas just hugging is not hugging. Today, in this article, we will tell you what is the right and comfortable way to hug. Hug too hard: The biggest mistake people make is that they often hug their partner without their consent and hug too hard. This method is not right at all. When you hug normally, you should hug very easily and comfortably so that your partner feels relaxed and not uncomfortable with your hug. Hugging for a long time: Hugging for a long time can make your partner feel uncomfortable. Because this method is also not right. If you hug your partner for a very long time, he or she may have some problem. In such a situation, try to hug your partner for a short period only. Do not hug in the wrong way: Hugging in the wrong way is not good for you and your partner. By doing this, you create a wrong impression for yourself. Many people also press their partner's neck hard while hugging. At the same time, many times your hug can also spoil your partner's hair. So hug your partner in a very easy way. The right way to hug is-Get consent: First get consent from your partner whether they are ready for the hug or not. Hug in a comfortable way: Hug in a comfortable way so that your partner does not feel uncomfortable. Hug with love and affection: Hug with love and affection so that your partner feels that you love them. He should feel that you value them. By following these methods, you can experience a comfortable and loving hug with your partner.

'Doesn't let me wear short clothes...'What did Sangeeta Bijlani say about Salman Khan, the video is going viral

Salman Khan was in a relationship with Sangeeta Bijlani for a long time. The actress recently revealed many secrets about the actor in a show and told what restrictions Bhaijaan puts on her. Sangeeta told that he did not let her wear short clothes because he did not like all this. Sangeeta could not say anything at that time. Sangeeta Bijlani revealed big secrets Doesn't let

me wear short clothes - Sangeeta- The actress came as a guest on the show The romance of Salman Khan and Sangeeta Bijlani is well known. There was a lot of talk about their love story. But now Sangeeta talked openly about her relationship. Actually a new video of the actress is going viral in which the actress is talking about her relationship with Salman Khan. Sangeeta Bijlani's old video is going viral- A video of her from Indian Idol 15 is going viral in which she is seen talking that Salman Khan did not let her wear short clothes. Actually, a contestant on the show had asked Sangeeta what she wanted to change in her career. On this, Sangeeta mimics and says that our ex used to interrupt me a lot. Meaning, I should not wear such clothes, they should not be so short. They should be so long. I could not wear such clothes. I did all that but I was not allowed to do so. I was very shy then but I am not now. Now I am a complete hooligan. I am not afraid of anyone, I used to be reserved then. There was a hint towards Salman Khan. Although Sangeeta did not take Salman Khan's name, it is being speculated that the actress was talking about Bhaijaan. At that time, Vishal Dadlani also hinted at Salman while acting without taking his name. Although Sangeeta does not take the actor's name. Bhaijaan's relationship had broken - Salman Khan and Sangeeta met during an ad shoot, after which there was a discussion about them in the entire B Town. In a way, this was Salman Khan's longest relationship. At one point, the two were about to get married but the relationship broke up before that. After her breakup with Salman Khan, Sangeeta married cricketer Mohammad Azharuddin in 1996. However, the couple got divorced in 2019 after more than two decades of marriage.

Who is Bihar's Sona Pandey, who is being compared to Rakhi Sawant, Bhojpuri industry is associated with controversies

Who doesn't know Rakhi Sawant, famous as Drama Queen. She does not miss a single

opportunity to grab headlines with her different style. Now an actress from Bhojpuri film industry has also come into the limelight, who is being compared to Rakhi Sawant. Let us tell you about this actress who has got the tag of Rakhi Sawant. Bhojpuri industry's Rakhi Sawant's outspoken style and statements are being discussed- She remains viral due to controversies and disputesBollywood's controversy queen, drama queen and Rakhi Sawant, who has made her mark with many names, is always in the news among the people. However, Rakhi's style of grabbing headlines is quite different from others. Sometimes she comes in the public through one of her statements and sometimes with some strange act. Like Rakhi Sawant, there is a drama queen in Bhojpuri industry who is called the Rakhi Sawant of Bhojpuri cinema, whose name is Sona Pandey. Sona also remains in the headlines due to controversies. Actress stays in limelight due to controversies-Like Rakhi Sawant, Sona Pandey has also appeared in music videos and small roles. There is news about Sona Pandey that she had allegedly made many big revelations in September 2024, after which there was a stir in the Bhojpuri film industry. The actress had claimed that famous Bhojpuri singer Toofani Lal Yadav had demanded something from her in exchange for work, about which she later also told. In an interview to the media, she said that she is not ashamed of speaking the truth, even though the words she used during the interview were unconventional and bold. After this statement of hers, some people supported her fiercely, while some people also criticized her. Why was she compared to Rakhi Sawant? - The kind of language Sona used during the interview surprised everyone. After this, many people's attention was attracted towards her. Rakhi Sawant is also known for such outspoken statements which she says openly on TV and in interviews without any fear. Many of you must have seen her in Bigg Boss as well, how she says whatever comes to her heart without thinking. She is often heard saying a lot about Sherlyn Chopra. Similarly, Sona is also similar to Rakhi Sawant in speaking, due to which she is being compared to the actress. Talking about Rakhi Sawant, she is currently seen in the famous stand-up comedian's show 'India's Got Latent'. Did not get recognition even after 6 years - Sona Pandey is not so famous at the moment. Sona started working in the Bhojpuri industry around the year 2018. Till now she has not been able to make a special identity in the industry. She has worked in many films but she has been offered very small roles in movies.

Nana Patekar's Vanvas will knock on OTT after theaters, got to know where it will be streamed?

Vanvaas OTT Release Date Veteran actor Nana Patekar's film Vanvas was released in theaters in the last of December. Of course, this movie could not do anything special at the box office, but director Anil Sharma's Vanvas won the emotional story. Now the discussion of its will be released on OTT - this platform has movie Director Anil Sharma, who made a 2023, made a comeback through the film thriller, Anil's bet of making a family drama and Vanvas could not do anything special and the acting of the star cast, Vanvas was to some extent. Meanwhile, the headlines of Vanvas. Let us know where this movie be released on OTT - In today's era, it is box office is presented on OTT within 45- make much impact commercially, is Something similar can be seen happening presentation of Zee Studio and on this basis platform Zee5. In such a situation, after streamed online directly on Zee5. However, right now. It is being estimated that Nana OTT at the end of January or in the first like Utkarsh Sharma and Simkar Kaur

hearts of the fans to a great extent with its OTT release has intensified. The film Vanvas digital rights - Nana Patekar's family drama blockbuster film like Gadar 2 in the year Vanvas in December last year. After the action film starring Nana Patekar looked ineffective at the box office. But due to its emotional story successful in impressing the critics and fans have intensified regarding the OTT release will be streamed online. Where will Vanvas seen that the film which performs well at the 60 days. But the film which is not able to released online within about 1 month. with Vanvas as well. Actually Vanvas was a the digital rights of the film are with the OTT coming down from theaters, this film will be it would be difficult to reveal its release date Patekar starrer Vanvas can be released on week of February. Apart from Nana, actors were present in important roles in the film. Box office performance of Vanvas- Vanvas was released on the big screen on 20 December. It was believed that after Gadar 2, director Anil Sharma would once again achieve success at the box office. But this time he failed and Vanvas was ineffective in terms of earnings. If we look at the net box office collection of Vanvas, it has been around 6-7 crores so far. Let us tell you that the bumper earnings of Allu Arjun starrer Pushpa 2 and the craze among the fans have had a deep impact on Nana Patekar's Vanvas.